समाज विकास

मूल्य : ₹.१० प्रति, वार्षिक ₹.१००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर - दिसम्बर २०११ • वर्ष ६२ • अंक ११-१२

स्थापना दिवस विशेषांक

मुख्य अतिथि

प्रो. सौगत राय
केन्द्रीय राज्य शहरी विकास मंत्री

सभापति

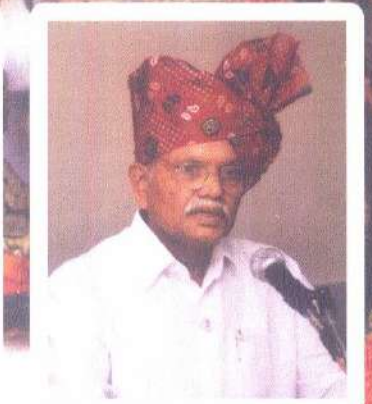

श्री हरिप्रसाद कानोड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुख्य वक्ता

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय
केन्द्रीय राज्य स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्री

८८वां स्थापना दिवस

२५ दिसम्बर २०११, विद्या मन्दिर, कोलकाता

S R RUNGTA GROUP

Caring for Land and People...

RUNGTA MINES LIMITED

Mine Owners, Ferro Alloy Producer & Mineral Processors

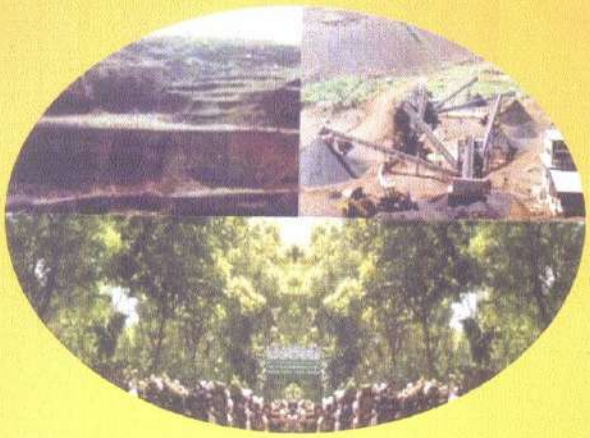

- ***IRON ORE*** - *BF & SPONGE GRADE, BLUE DUST, CRUSHED FINES*
- ***MANGANESE ORE*** - *BF & FERRO MANGANESE GRADE, DIOXIDE, FINES*
- ***LIMESTONE, BAUXITE, QUARTZ, PYROPHYLLITE***
- ***SPONGE IRON*** *LUMPS & FINES*

CORPORATE OFFICE

RUNGTA HOUSE, CHAIBASA 833 201, JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256861/ 256761/ 256661; Fax: 91- 6582 256442
Email: rungtas@satyam.net.in, Web Site: www.rungtamines.com, GRAM: "RUNGTA"

REGISTERED OFFICE

8A, EXPRESS TOWER, 42A, SHAKESPEARE SARANI
KOLKATA 700017, INDIA
Phone: 033-2281 6580/3751; Fax: 91-33-2281 5380; Email: rungta_cal@sify.com

MINES DIVISION

RUNGTA OFFICE
MAIN ROAD, BARBIL 758035, DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 275221/277481/ 441; Fax: 91-6767-276161
Email: rungta_bbl@yahoo.co.in, GRAM: "RUNGTA"

SPONGE IRON DIVISION

ORISSA
RUNGTA OFFICE
MAIN ROAD, BARBIL 758035
DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 27689/277391/021
Fax: 91-6767-277011

JHARKHAND
RUNGTA OFFICE
SADAR BAZAR, CHAIBASA - 833201
DIST- SINGHBHUM(W), JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256621/256321
Fax: 91-6582-257521

भारत
राजस्थ
रतनसि
मीरा कृ
वालों न
मीरा वि
ससुराल
सब इस
आई ।
मार स
गिरधर

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

७७वाँ स्थापना दिवस समारोह

रविवार, २५ दिसम्बर २०११ विद्या मन्दिर, कोलकाता

मुख्य अतिथि
माननीय प्रो. सौगत राय
केन्द्रीय राज्य शहरी विकास मंत्री

मुख्य वक्ता
माननीय सुदीप बन्धोपाध्याय
केन्द्रीय राज्य स्वास्थ्य व परिवार कल्यानण मंत्री

वक्ता
श्री सीताराम शर्मा
पूर्व सम्मेलन अध्यक्ष

अध्यक्षता
श्री हरिप्रसाद कानोड़िया
सम्मेलन सभापति

वक्ता
श्री नन्दलाल रूंगटा
निर्वतमान सम्मेलन, अध्यक्ष

इस अवसर पर मूर्धन्य साहित्यकार डॉ० उदयवीर शर्मा, बिसाऊ निवासी को राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

नाटक मंचन : "मीरा की अमर कहानी"
लेखक व निर्देशक : विनोद वर्मा

नाट्य सारांश

भारतवर्ष में शायद ही ऐसा कोई मानव होगा जिसने गिरधर प्रेम-दिवानी मीराबाई का नाम न सुना हो। राजस्थान के मेड़ता राज्य के राजा राव दुदाजी कृष्ण के अन्यतम भक्त थे। उनके चतुर्थ पुत्र कुंवर रतनसिंह के यहा १४९८ ई. में कुड़की गांव में भक्त शिरोमणी मीराबाई ने जन्म लिया। बालपन से ही मीरा कृष्ण की भक्ति रस में डूब चुकी थी और भगवान श्रीकृष्ण को ही अपना पति मान लिया। परिवार वालों ने मीरा का विवाह चितौड़गढ़ के राजा सांगा के पुत्र भोजराज के साथ करने का निर्णय लिया। परन्तु मीरा विवाह के लिये राजी नही हुई। उसने अपने गिरधर गोपाल के साथ अग्नि के साथ फेरे ले लिया। ससुराल आने के बाद भी मीरा अपने गोपाल के प्रेम में ही खोई रहती थी। मीरा की सास, ननंद, देवर सब इसका विरोध करने लगे। किन्तु लाख विरोध के बावजूद भी मीरा की कृष्ण भक्ति में कोई कमी नहीं आई। मीरा को मारने के लिये तरह तरह के उपाय हुए। लेकिन कहा जाता है – 'जाकों राखे साइयां, मार सके ना कोय।' और अन्त में अपनी भक्ति-भाव-साधना से मीराबाई अपनी देह त्याग कर अपने प्रिय गिरधर गोपाल के हृदय में समा गई।

भक्त नहीं होते तो कौन कहता भगवान। अगर होती ना मीरा कौन कहता घनश्याम।।

समाज विकास

स्थापना दिवस विशेषांक

◆ नवम्बर-दिसम्बर २०११ ◆ वर्ष ६२ ◆ अंक १०-११ ◆ एक प्रति - १० रु. ◆ वार्षिक-१०० रु.

अनुक्रमणिका

क्रमांक	पृष्ठ संख्या
चिट्ठी आई है	६-८
सम्पादकीय : २०१२ क्या भारतीय अर्थव्यवस्था का संकट वर्ष होगा? – ***सीताराम शर्मा***	९
अध्यक्षीय : म्हारो लक्ष्य राष्ट्र की प्रगति – ***हरि प्रसाद कानोड़िया***	११
वर्ष-व्यापी लगातार कार्यक्रम – ***संतोष सराफ***	१३-१५
सम्मेलन के प्राण पुरुष एवं पूर्व अध्यक्ष	१७-२३
सम्मेलन के रजत जयंती समारोह में शिरकत करते पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. विधान चन्द्र राय	२७
सम्मेलन के स्वर्ण जयंती समारोह में शिरकत करते तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह	२८
सम्मेलन की हीरक जयंती समारोह में शिरकत करते तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा	२९
सम्मेलन की कौस्तुभ जयंती समारोह में शिरकत करती महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील	३०
यूपीए शासन की दो हस्तियां सोनिया और मनमोहन की पूरे विश्व में सराहना – ***राम अवतार पोद्दार***	३१
संगठित होकर काम करना समाज के लिए संजीवनी – ***कमल नोपानी***	३३
परिवार को संगठित रखना वक्त की जरूरत – ***द्वारका प्रसाद डाबरीवाल***	३४
सम्मेलन के नए संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्यों की सूची	३९-४१
सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों की सूची	४३-४७
मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक में एकल सदस्यता लागू करने पर चर्चा	४९-५०
संगठन उपसमिति की बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा	५१
भवन निर्माण उपसमिति की बैठक में सम्मेलन भवन के निर्माण पर चर्चा	५२
संविधान संशोधन उपसमिति की बैठक की रपट	५३
सदस्यता उपसमिति की बैठक की रपट	५४
सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार के लिए **डॉ. उदयवीर शर्मा** चयनित	५५
प. बं. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली प्रीति सम्मेलन	५७
कैसे बचेगा समाज और सामाजिक सोच? – ***संजय हरलालका***	५९
सम्मेलन की उपलब्धियां	६०-६१
विस्मृति के गर्भ में खो गए सेनानी – ***भानीराम सुरेका***	६२-६३

क्रमांक	पृष्ठ संख्या
मन तो बादाम की कतली को है : रामदेव चोखानी – ***हरिचरण चोखानी***	६४
गजल : चम्पा लाल मोहता "अनोखा"	६५
SMS की दुनिया	६५
प्रान्तीय समाचार : युवा मंच का प्रथम विश्व मारवाड़ी सम्मेलन नासिक में सम्पन्न	६७
प्रान्तीय समाचार : जोरहाट शाखा	६९
नवगीत : ओम रायजादा	६९
प्रान्तीय समाचार : भोपाल शाखा	७५
गीत : जी.डी. गोलाणी	७५
प्रान्तीय समाचार : कानपुर शाखा	७६
कोलकाता : एक नजर – ***प्रभाकर चतुर्वेदी***	७६
उच्च शिक्षा कोष की सूचना	७७
प्रान्तीय समाचार : बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति के सेवाकार्य	७८
प्रान्तीय समाचार : मध्यप्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन का दीपावली मिलन	७९
राजस्थान की संस्कृति अत्यन्त समृद्ध – ***राजेन्द्र सिंह गुढ़ा***	८०
व्यंग्य : बालाराम परमार हँसमुख	८४
स्वास्थ्य : कई रोगों की दवा है गरम जल पीना	८५
नाटक : हमारी बेटियां – ***हरि प्रसाद कानोड़िया***	८६-८७
राजस्थानी बात : नथमल केडिया	८८-८९
बंगलादेश मुक्ति युद्ध की ४०वीं वर्षगांठ : कुछ संस्मरण – ***सीताराम शर्मा***	९०
कविता : हरिनी की प्रेम गाथा – ***नथमल केडिया***	९१
राजस्थानी कविता : आपणी भासा राजस्थानी – ***शम्भु चौधरी***	९२
दो लघुकथाएं : एक सांवली सुन्दर लड़की / धमाके के बाद – ***शिव सारदा***	९३
सम्मेलन चित्रावली : १९३५-२०११	९९-१०६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सीडीसी प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा
प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

दीपावली की शुभकामना

अ. भा. मारवाड़ी सम्मेलन कोलकाता का मासिक-पत्र 'समाज विकास' माह अक्टूबर का पढ़कर बड़ी खुशी हुई कि राजस्थानी भाषा उपसमिति की बैठक में आपस में वार्तालाप राजस्थानी में करने का संकल्प लेने एवं आदरणीय श्री नथमलजी केड़िया के सुझाव 'समाज विकास' में दो पृष्ठ राजस्थानी भाषा के लिए आवंटित करने के निर्णय को मैं संघर्ष समिति की ओर से सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आभार प्रकट करता हूँ।

पाठकों के आने वाले पत्रों को महत्व दिया जाना खुशी की बात है एवं पत्रिका के मार्गदर्शन के लिए आवश्यक भी है। रघु मोदी जी को इटली सरकार द्वारा सम्मानित किया जाना हर्ष की बात है। सम्पादकीय में आदरणीय सीताराम जी ने 'अमीरी से तंग आकर आत्महत्या' शीर्षक से पाठकों को उद्वेलित कर दिया। इस सच को नकारा नहीं जा सकता। आज आत्महत्या अमीर अधिक एवं गरीब कम करते हैं। युवा पीढ़ी की प्रगति पर हरिप्रसादजी कसोड़िया का गर्व शुभ संकेत है। "नैतिक मूल्यों की पुर्नस्थापना" संतोष जी सराफ का जरूरी बताना वास्तव में देश एवं समाज की जरूरत है। आजीवन सदस्यों, विशिष्ट सदस्यों एवं संरक्षक सदस्यों के पते मय फोटों के लिए पाठकों तक पहुंचना हित की बात है।

अक्टूबर २०११ के अंक की सारी सामग्री सराहनीय है राजस्थानी भाषा के लिए २ पृष्ठों के आवंटन के लिए पुनः धन्यवाद।

– **लक्ष्मणदान कविया**
संस्थापक एवं मुख्य संगठक
अ.भा. राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति
नागौर, राजस्थान

A. Mhamia
Asstt. Director (M & C)
Ph: 2248 9742/3490, Fax: 2248 1575

No-AD/press/11/22
पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार
Press Information Bureau
Government of India,
8, Esplanade East,
Kolkata: 700 069.

दिनांक : 08 दिसम्बर, 2011

श्री सीताराम शर्मा,

प्रधान सम्पादक--समाज विकास,

कोलकाता।

प्रिय महोदय,

समाज विकास के अंक इन दिनों नियमित मिल रहे हैं। विगत तीन-चार महीनों से न केवल आपके मुखपत्र की साज-सज्जा व मुद्रण में सुधार आया है, चयनित सामग्री के स्तर में भी अभूतपूर्व प्रगति दृष्टिगत हो रही है। बालकों-किशोरों को भी इस प्रकाशन से जोड़ने के लिए उनके अनुकूल सामग्री का प्रकाशन आपने आरम्भ किया है। यह पहल भी स्वागत योग्य है। हाँ, इन स्तम्भों की सामग्री भी किशोर-युवा पीढ़ी की स्वरचित हो एवम् प्रकाशित सामग्री को प्रोत्साहन-पुरस्कार दिये जा सकें तो समाज में रचनात्मकता को और बढ़ावा मिलेगा।

आपके साथ-साथ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन भी इस 62 वर्षीय मुखपत्र के प्रकाशन-प्रसारण में उल्लेखनीय सुधार के लिए धन्यवाद का पात्र है।

सधन्यवाद,

भवदीय-

08/12/2011

(महमिया अजय)

सहायक निदेशक-मीडिया व संचार

समाज विकास : एक नया जनपक्षीय दृष्टिकोण

'समाज विकास' के पिछले ३/४ अंकों को देखने-परखने से पता लगता है कि 'समाज विकास' में एक नया जनपक्षीय दृष्टिकोण उभर कर आ रहा है। सहज राजस्थानी व्यकरणं का प्रकाशन बतलाता है कि सम्मेलन मातृभाषा के प्रचार-प्रसार एवं उसकी मान्यता के लिए प्रयत्नशील है। इसी सिलसिले में श्री नथमल जी के लिए प्रस्तावानुसार राजस्थानी में दो पेज नियमित प्रकाशन का सिलसिला शुरू किया गया है। श्री नथमलजी साधुवाद के पात्र हैं। तुलसी जी और कुंवारा हो राम? पढ़ कर मैं मुग्ध हो गया। 'नारी चेतना' अंजनी कुमार शर्मा का काव्य रचना श्रेष्ठ है। उन्हें भी बधाई। सम्मेलन के साथ नौजवान जुड़ रहे हैं। हर्ष है।

– **केसराकान्त शर्मा 'केसरी'**
मण्डावा (राज.)

चिट्ठी आई है

सम्मेलन का हरियाणा की अवहेलना

अक्टूबर अंक के समाज विकास में नियमित रूप से दो पृष्ठ राजस्थानी भाषा में देने की सूचना प्रकाशित की गई है। मेरी समझ में नही आता कि एक ओर तो मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थान, हरियाणा एवं मालव प्रदेश के प्रवासी भाइयों का संगठन घोषित करता है, वही दूसरी ओर देखने में आ रहा है कि सम्मेलन राजस्थानियों की हित-चिन्तन की संस्था बनकर रह गया है। सम्मेलन के मंच से राजस्थानी कला व संस्कृति तथा राजस्थानी भाषा की उन्नति के लिए जोरदार प्रयास किये जा रहे है। हरियाणा, जिसकी खुद की एक उज्ज्वल व गौरवशाली लोकसंस्कृति, इतिहास एवम् साहित्य है, पूर्णतया सम्मेलन द्वारा अवहेलित है। मुझे राजस्थान तथा वहाँ की संस्कृति व भाषा से कोई दुराव नहीं। वह भी महान भारतीय संस्कृति का एक गौरवशाली अंग है। परन्तु मेरी समझ में नही आता कि राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए सम्मेलन का प्रयोग कहाँ तक उचित हैं। ये राजस्थान व हरियाणा का सामूहिक मंच है। हरियाणा को या हरियाणावासियों को राजस्थानी की मान्यता से क्या लेना-देना। अगर आवश्यक हो तो राजस्थानी की मान्यता के लिए कोई अलग संगठन बनाकर आवाज बुलन्द करें। ऐसा देखा गया है कि जब भी हरियाणा या हरियाणा मूल के किसी व्यक्ति ने कोई विशेष योग्यता या कृतिमान स्थापित किया है, सम्मेलन ने सदैव इसे नजर अंदाज किया है। चाहे दो-बार एवरेस्ट फतेह करने वाली मारवाड़ी की संतोष यादव हो, हाल में सम्पन्न राष्ट्रीय मण्डल खेलों में सर्वाधिक मैडल जीतनेवाले हरियाणा के खिलाड़ी हो, भारतीय सेना के सेनानायक वापोड़ा के. जनरल बी.के. सिंग हो या अमेरिका में निर्वाचित ओबामा सरकार में वित सलाहकार प्रिता बंसल हो, सम्मेलन ने अपनी ओर से सम्मानित करने या श्रद्धांजली देने की जरुरत नहीं महसूस की। ये बातें असंतोष का कारण बन सकती है, जो सम्मेलन के लिए घातक सिद्ध होगी।

आशा है इस संदर्भ में उचित कार्यवाही करेंगें।

– **देवकी नन्दन बंसल**
शिवसागर (असम)

धर्म के नाम पर

आज कलकाता मे धर्म के नाम पर क्या नहीं हो रहा है। प्रत्येक सप्ताह विभिन्न देवी-देवताओं के नाम पर कीर्तन का आयोजन कर लाखों रुपए की होली हो रही है। अब यह कीर्तन, कीर्तन न रहकर व्यापार हो गया है। सजावट पर, छप्पन भोग पर, कलाकारों पर, बुफे पर एक-एक कीर्तन मंडली का लाखों रूपए का बजट होता है। कहाँ से आता है यह पैसा? मारवाड़ी समाज के अंधविश्वासी लोगों के पाकेट से ही निकलता है, यह पैसा! एक मंडल दूसरे मंडल से आगे बढ़ने की स्पर्धा में लाखों रुपए खर्च कर अपनी शान-शौकत का भौंडा प्रदर्शन करने में पीछे नहीं रहता है। क्या यही हिन्दु धर्म का स्वरूप रह गया है। अन्य समाज में यह सब क्यों नही होता। क्या धर्म का ठेका सिर्फ मारवाड़ी समाज ने ही ले रखा है? क्या ईश्वर आपको ही कहते हैं कि मेरे कीर्तन मे लाखों रूपए का अपव्यय करों अन्यथा मै तुम पर प्रसन्न नहीं होऊंगा। बंधुओं, ये खेल ज्यादा दिन नहीं चलने वाला। समय रहते कीर्तन के आयोजक चेतें वरना समाज तो क्या, ईश्वर भी आपको माफ नही करेगा।

– **रामगोपाल बागला**
मंत्री, प. बं. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
कोलकाता

मायड़ भाषा

आल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन रो चावो ठावो नाम सुण्यो। पण भाई अम्बूजी शर्मा सूँ पत्र द्वारा पतो लागो कि आप मासिक पत्रिका समाज विकास रो घणो महताऊ काम कर रिया हो। जिनमें मायड़ भाषा राजस्थानी का पाना भी राखो। आप मायड़ भाषा रै मानता पेटे ओ घणौ लांठो काम करो हो – आ जाणकर हरख है।

– **पं. राधेश्याम जोशी**
महामंत्री, सरस्वती काव्य एवं कला संस्थान, बीकानेर

चिट्ठी आई है

समय का तकाजा

धारणाऐं, मान्यताऐं या सिद्धांत जीवन का असली स्वभाव नहीं है, समय-समय पर परिस्थितिनुसार बदलाव भी लाना पड़ता है तभी सफलता प्राप्त होती है। हमारे समाज में अलग-अलग बड़ी-बड़ी शक्तियों व क्षमताओं का भण्डार है, पर उसका सही उपयोग हम नही कर पा रहें है व एकजूट होकर एक बड़ी शक्ति के रूप मे उभरकर नहीं आ पा रहें है।

असल में हम धारणओं व मान्यताओं के बोझ से इतना दब गयें हैं कि हम अपनी प्रतिभाओं व शक्तियों को नहीं पहचान पा रहें हैं। अपने चारों तरफ हमने इतने ताले जकड़ रखें हैं, जो कि इतने पुराने व जंग खा चुके है कि वे किसी भी चाबी से खुलनेवाले नहीं हैं, अब तो चोट से ही तोड़ना पड़ेगा, यही समय का तकाजा हैं। धन का अपनी जगह बहुत महत्व है, परन्तु लोक दिखावे, आड़म्बर व भोग विलासिता ही सफलता व सम्मान का अन्तिम पड़ाव नहीं है। हम सुसंस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, सत्विक व सामाजिक दृष्टि से विश्व की श्रेष्ठ जाति में प्रथम स्थान रखते हुऐ भी पूर्ण सफल नहीं है व जैसी सराहना हमें मिलनी चाहिये इससे हम वंचित हैं। इसके कई कारण हैं क्योंकि हम हैसियत से ज्यादा दिखावा करते हैं। धार्मिक, सामाजिक वैवाहिक व अन्य कार्यक्रमों मे इसकी झलक देखने को मिलती है, इसी कारण हम लोगों के आखों की किरकिरी बनते हैं व पूर्ण सफलता व सराहना से दूर होते जा रहे है, साथ ही साथ हमें..... झूठे ही बदनाम भी किया जा रहा है। अभी भी समय है कि, अपने में बदलाव लाते हुऐ हमें जागना होगा तभी समाज शिखर पर पहुंच सकता है।

– **प्रमोद गोयनका**, कोलकाता

पढ़ने योग्य सामग्री

आपके द्वारा संपादित 'समाज विकास' के विगत चार माह के अंकों को पढ़ने का मौका मिला। ऐसा लगता है कि पत्रिका में आपने एक नया प्राण फूँक दिया है। वर्तमान पत्रिका में राजनीतिक, सामाजिक व कविताएँ एवं अन्य बहुत सी अच्छी सामग्रियाँ पढ़ने योग्य मिल रही है जिसे पढ़कर मेरी कलम भी वर्तमान परिस्थिति एवं समाज की कुरीतियों के ऊपर कुछ लिखने को चल पड़ी हैं। मुझे बड़ा आश्चर्य होता है कि मारवाड़ी समाज कोई भी कार्य दिखावे के लिए ही करता है, कोई दान धर्म या किसी की सहायता करता हैं तो पहले इस बात का अनुमान लगाता है कि मैं जो कार्य कर रहा हूँ उससे मुझे कितनी लोकप्रियता मिलेगी। यहाँ तक कि अपने माता-पिता के लिए भी कुछ करने के पहले उसे चैरिटी फंक्शन या अन्य संस्थाओं का विचार पहले आता है जहाँ उनकी तस्वीर छपती है। आज मारवाड़ी समाज जन्मदिन, विवाह-वर्षगाँठ जैसे कार्यक्रमों में जितना धन का दुरुपयोग कर रहा है। यदि उस धन का उपयोग समाज के अभावग्रस्त परिवार के बच्चों के विवाह व शिक्षा में उपयोग किया जाए तो बहु समाज के अभावग्रस्त परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा व जिन लड़कियों के विवाह करने में उनके माता-पिता धन के अभाव में असमर्थ है, उन्हें सहायता मिलेगी। ऐसा करने से सामाजिक संस्थाओं में तस्वीर भले ही ना छपें और लोकप्रियता भी ना मिले, तो भी आत्मशांति व जीवन सार्थक अवश्य होगा।

यदि मैनें अन्जाने में कुछ गलत कहा हो तो क्षमा करें परंतु मेरा सामूहिक रूप से धनी वर्ग से अनुरोध है कि वे उपरोक्त कथनों पर विचार अवश्य करें एवं उन्हें अपने जीवन में उतारने की कोशिश करें। मेरा उद्देश्य इस पत्र के माध्यम से किसी पर व्यंग्य कसना नहीं वरन् उस सोयी हुई मानसिकता एवं विवेक को जगाना है जिसके जागरण मात्र से ही इस समाज में क्रान्ति आ सकती है।

– **स्वाती अग्रवाल**, रिसड़ा, हुगली

बधाई

आपके द्वारा संपादित "समाज विकास" का कलेवर उत्तरोत्तर रोचक संवर्धित और सारगर्भित रहा है, अस्तु आपको अनेकानेक बधाई।

– **जगदीश प्रसाद पाटोदिया "चाँद"**
हावड़ा

टाटानगर गोपाष्टमी समारोह

३ नवम्बर एवं ४ नवम्बर को श्री टाटानगर गौशाला का वार्षिक अधिवेशन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष श्री मालीराम देवुका ने की और संचालन महासचिव श्री महेश चंद्र शर्मा ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे आधुनिक ग्रुप ऑफ स्टील के चेयरमेन श्री मनोज अग्रवाल एवं उदघाटनकर्ता श्री एच. एन. राम तथा राजस्थानी पत्रिका 'मरूधर' के सम्पादक डॉ. नरेश अग्रवाल। श्रोताओं को अपनी बुलन्द आवाज में शिवकुमार शर्मा ने प्रभावित किया। सभा का श्रीगणेश अध्यक्ष श्री मालीराम देवुका ने अपने स्वागत भाषण से किया। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी गौभक्तों का अभिनन्दन कर गौशाला के विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।

सम्पादकीय

२०१२ क्या भारतीय अर्थव्यवस्था का "संकट वर्ष" होगा?

– सीताराम शर्मा

भारत के अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह ने हाल ही में चेताया कि "अगर हमने कदम नहीं उठाये तो हम नीचे जा सकते है" (We also may go down)। वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी की भाषा भी अचानक बदली है। "युरोप में आर्थिक संकट अब एक संभावना ही नही बल्कि एक सच्चाई है, इस परस्पर निर्भर वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में हम उससे अछूते नहीं रह सकते।" अचानक भारत की उजली आर्थिक छवि कुछ धुंधली नजर आने लगी है। विकास दर पहली बार सात से नीचे आयी हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ है। कम्पनियों के तिमाही नतीजे निराशाजनक है। स्टील, सीमेन्ट सभी में मन्दी है। एक जाने-माने रुपयों के दलाल ने कहा, दस में से सात पुर्जे की तारीख बदलवा रहे है यानि समय पर उधार नही चुका पा रहे है।

राजनैतिक संकटों एवं भ्रष्टाचार से उलझी केन्द्रीय सरकार कोई निर्णय नहीं ले पा रही है। खुदरा व्यवसाय में निवेश के मामले में मनमोहन सिंह सरकार की किरकिरी हुई तथा पेन्सन आदि महत्वपूर्ण विलों पर एक अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन को प्राप्त विपुल जनसमर्थन सरकार की लोकप्रियता पर प्रश्न खड़ा करता है तथा सरकार कोई भी ठोस कदम उठाने में सक्षम प्रतीत नहीं होती। संसद की कार्यवाही ठप्प पड़ी है। सरकार की निष्क्रियता के सम्बन्ध में पहली बार देश के शीर्षस्थ उद्योगपतियों – रतन टाटा एवं मुकेश अम्बानी ने खुले वयान देकर अपनी असहमति एवं नाराजगी व्यक्ति की है। भ्रष्टाचार एवं लोकपाल बिल के प्रश्न पर सरकार उलझती नजर आ रही है। सरकार महत्वपूर्ण राजनैतिक एवं आर्थिक प्रश्नों पर आम सहमति तैयार नहीं कर पा रही है। प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह पर पहली बार अंगुली उठ रही है। कई वरिष्ठ पत्रकारों ने स्पष्ट रूप से नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा करते हुए प्रणव मुखर्जी को प्रधान मंत्री का भार देने का सुझाव अपने कई लेखों में किया है।

आम आदमी कमरतोड़ महंगाई से ग्रसित है एवं इस महंगाई को रोकने में सरकार पूर्णतया विफल रही है। रिजर्व बैंक ने महंगाई पर अंकुश लगाने के लिये ब्याज दर में आधे-दर्जन से अधिक बार छोटी-बड़ी वृद्धि की है। नतीजतन महंगाई तो रुकी नही, महंगा पैसे के चलते उद्योग पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अब रिजर्व बैंक अपनी नीतियों में पुनः परिवर्तन कर रहा है – इससे प्रतीत होता है कि सरकार एक सोची समझी नीति के बजाय विभिन्न प्रयोग कर रही है। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातर गिरावट भी सरकार एवं रिजर्व बैंक की असफलता है। काले धन के प्रश्न पर भी सरकार की विश्वसनियता पर प्रश्न उठ रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक २००० से २००८ के बीच भारत से पूंजी पलायन की राशि देश के कुल उत्पाद की १६ प्रतिशत है जो करीबन १२५ बिलियन अमेरिकन डालर के बराबर है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार २०१२ का वर्ष २००८ के आर्थिक संकट से भी बड़े संकट का होगा। मिली-जुली केन्द्रीय सरकार अपने बड़ों घटकों – टीएमसी, द्रमुख आदि को साथ लेकर न केवल राजनैतिक बल्कि आर्थिक नीतयों पर भी जरूरी कदम नहीं उठा पा रही है। सरकार की छवि एक कमजोर सरकार की है जिससे प्रभावशाली एवं कारगर कदम उठाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। •

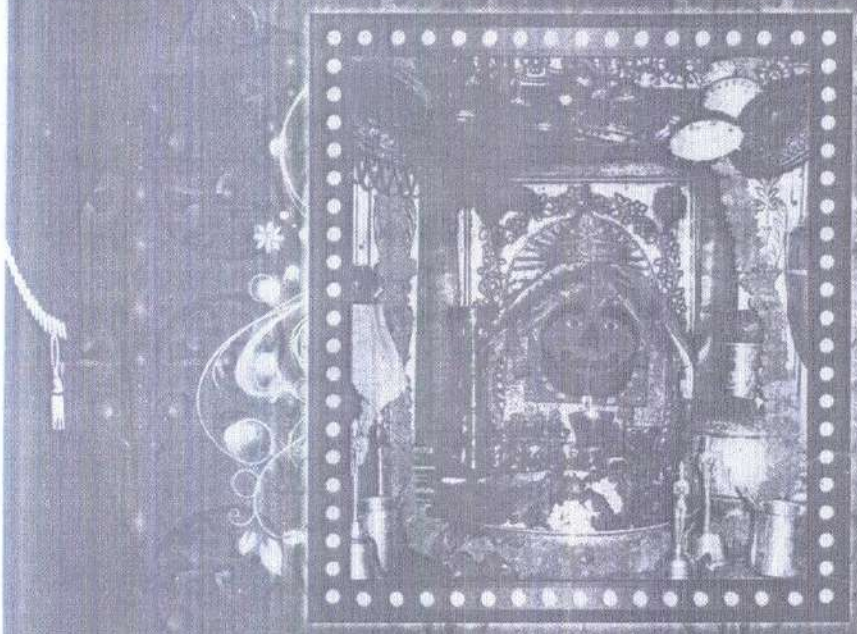

Heartiest Greetings of
DEEPAWALI
to all our well wishers
GANAPATI BALAJI SPINNING MILLS PVT. LTD.
SONEPUR, ORISSA
(Manufacturer of Quality Yarn)
Office : 7, Ganesh Chandra Avenue, 3rd Floor, Kolkata-700 013
21, Camac Street, 9th Floor, Bell's House, Kolkata - 700 016
Phone : 2225 1435-38, 2221 6717, Fax : (033) 2211 0437
Mobile : 9830021565, E-mail : ganapati_balaji@yahoo.co.in

अध्यक्षीय

"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र की प्रगति"

– हरि प्रसाद कानोड़िया

नये वर्ष की राम राम एवं शुभकामनाएं।

पूर्वजो की दुरदर्शिता, संगठन की भावना, कार्यवत्त करने की क्षमता हमारे लिये प्रेणादायक है। उनकी देश भक्ति समाज सेवा, आदर्श हमारे लिये शक्तिप्रदायक है। ७६ वर्ष पहले सन् १९३५ में सम्मेलन को स्थापना हुई। उस समय ब्रिटिश सरकार द्वारा एक ह्वाइट पेपर प्रकाशित किया गया था। उस पेपर में यह लिखा था कि जो देसी राज्यों की प्रजा है, उसे ब्रिटिश राज्य की प्रजा के अधिकार नहीं दिये जायेंगे। इस बिल के आते ही तत्कालीन पूरे मारवाड़ी समाज में खलबली मच गई। क्योंक मारवाड़ी समाज उस समय राजपुताना की विभिन्न देसी रियासतों का हिस्सा माना जाता था। सिर्फ पूरे देश मे एक मात्र राजपुताना क्षेत्र ही था, जहां देशी राज्य कायम था। इस बिल से प्रवासी मारवाड़ी समाज में सीधें तौर पर प्रभावित होने की सम्भावना बन गई। यदि मारवाड़ी समाज को देशी राज्यों का नागरिक करार कर दिया जाएगा तो उसका अन्य भागों में नागरिकता का अधिकार समाप्त हो जाएगा। मारवाड़ी समाज अपने को असुरक्षित समझने लगा, उसी समय हमारे समाज के कुछ शुभचिंतको ने जैसे स्व० ईश्वर प्रसाद जालान, स्व० काली प्रसाद खेतान, स्व० बद्रीदास गोयनका, स्व० घनश्यामदास बिड़ला, स्व० देवी प्रसाद खेतान आदि ने इस बिल को गंभीरतापूर्वक लिया और बिल को संशोधित करने के लिये और देश के समस्त मारवाड़ियों को एक जगह संगठित करने के लिए सन् १९६५ में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का गठन किया।

देश की स्वतंत्रा के लिये मारवाड़ियों ने तन मन धन से हिस्सा लिया। कितनी ही यातनायें सही फिर भी निडर रहे। श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार एक अवसरनीय व्यक्ति थे। इंग्लिस कम्पनी में काम करते थे। अस्त्रों की पूरी जहाज विप्लव को सौंप दी। जेल गये, यातनाए भी सही। फिर भी हार नहीं मानी। दादा-दादी की आवाज उनके कानों मे गूंज रही थी – 'मन के हारे हार'। उन्हेंने गीता–प्रेस की स्थापना की और संसार को ज्ञान देने मे लग गये। ज्ञान दान सबसे बड़ा धर्म है। उस समय यातायात की सुविधा नहीं थी। आज की तरह संचार के साधन भी नहीं थे। सेठ चोखानी, सेठ जमुनालाल बजाज व अन्य समाज के व्यक्तियों के सहयोग से समाज का संगठन किया। कार्यकर्ताओं के सहयोग से समाज की कई कुरीतियों को हटाने में मदद मिली। बालविवाह, पर्दाप्रथा, और भी कोई बुरी प्रथा का खत्म हुआ। बालिकाओं को भी शिक्षा प्राप्त होने लगी। दहेज के प्रति भी जागरूकता हुई। आज दहेज का आवरण अनेक रूपों में आ गया है। शादी-विवाह में फिजूलखर्ची एवं आडम्बर आदि समाज की आत्मा को झंकारती है। सभी एक दूसरे पर अंगुली उठाते है। परन्तु समाज का कोई भी शेर आगे बढ़ कर अपने घर से रोक नहीं लगाता। एक कहावत है कि दान अपने घर से शुरू होता है। कहावत है पहले स्वयं पर नियंत्रन करें फिर समाज में पहल करें। हमें जोर-जबरदस्ती करके नहीं, लोगों के अंदर चेतना जगा कर इसे नियंत्रित करना है। हमें अपने संगठन को मजबूत करना है। हमें दुःख है, कि हमारे देश मे पांच करोड़ से अधिक परिवार मारवाड़ी समाज के है। परन्तु सदस्य नगण्य है। संगठन के माध्यम से ही हम देश में आवाज उठा सकते है। राजनीति में भी आगे बढ़ सकते है। राजनीति में हम अपने समाज के लोगों को भेज सकते है। सभी व्यक्ति अधिक से अधिक सदस्य बनाये जिससे हमारा संगठन मजबूत होगा।

कहते है कि सागर का मन्थन करने से अमृत और माता लक्ष्मी प्रकट हुई। उसी प्रकार युवा अपनी शक्ति का स्वयं मन्थन करें। अपने गुणों को धारण करें और अवगुणों कों दूर करें। बाबा भोले, श्री राम और श्री कृष्ण को अपना आदर्श बनाए।

नारी शक्ति को भी हमें पहचानना है। हम उच्च शिक्षा देने लगे है। लड़के और लड़कियों में समानता रखनी है। लड़कियां आपने भाग्य से आती है। ईश्वर कर्मप्रधान करके, सेवा और प्रेम की आदर्श स्थापना करने के लिये उन्हें भेजता है। सम्मेलन ने उनकी शक्ति को जागृत करने अपना संगठन बनाने की स्वतंत्रता दी है। दोनों संगठन एक दूसरे की शक्ति को समझते हुए सम्मेलन के कार्य को आगे बढ़ाये। फिजुल खर्च, आडम्बर और दहेज को नारी शक्ति ही रोक सकती है। वे इसमें सादगी ला सकती है। माता, लक्ष्मी का रूप लेकर धन को सही दिशा देने में सक्षम होती है।

शिक्षा अति आवश्यक है। पूर्व में ब्राह्मण शस्त्र, अस्त्र विद्या में निपुण हुआ करते थे। विद्यार्थियों को सादगी जीवन की पूर्ण रूप से शिक्षा देते थे। उच्च शिक्षा भी आवश्यक है। आज के समय में अर्थ के अभाव मे उच्च शिक्षा नहीं मिल पाती है। यह सभी व्यक्ति और समाज के लिये विचारणीय है। आपके सम्मेलन ने इस उदेश्य से एक उच्च शिक्षा कोष की स्थापना की है। आप भी इस योग में सहयोग दे।

सम्मेलन का स्थापना दिवस मना कर हम अपने कर्तव्यों को याद एवं पालन करने का प्रयास करते है। आने वाले नये साल के लिये सभी को पुनः राम राम और शुभकामनाएं। ●

BRCM Public School, Gyankunj

Established in 1987, to address the need for a high-quality English-medium school, for around 100 villages surrounding Bahal, affiliated to CBSE, the school has been an inspiration for many other such projects that have come up in the region.

BRCM Public School, Vidyagram

Established in 1991, a premier Co-education Residential School from class IV to XII, affiliated to CBSE, and is a member of the Indian Public School Conference (IPSC). It has students from all over India

BRCM College of Engineering and Technology

The college started taking in engineering under-graduates students from August 1999. The college has a student strength of around 1200, is duly approved by the AICTE & Govt. of Haryana and is affiliated to M.D. University, Rohtak, for 4-year Bachelor of Engineering (B.E.) course in the following streams:

- Computer Science & Engineering
- Information Technology
- Electronics & Communication Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Civil Engineering

GDC Memorial College

A unit of Hari Krishna Chaudhary Foundation is a co-educational general degree college. It has been established to provide modern value based education to the youth of rural areas surrounding Bahal. GDC aims to assist students in realizing their inherent potential and thus meet the challenges of modern society

- B.A (Bachelors of Arts)
- B.Sc. (Bachelor of Science)
- B.Com. (Bachelor of Commerce)
- BCA (Bachelor of Computer Application)

BRCM College of Engineering & Technology
Vidyagram, Bahal 127028, Dist. Bhiwani, Haryana. Ph: +91 1255 265101-104
Fax: +91 1255 265105/265217. Email: infocollege@brcm.edu.in. Website: www.brcm.edu.in

BRCM Public School, Vidyagram
Vidyagram, Bahal 127028, Dist. Bhiwani, Haryana. Ph: +91 1255 265101-104
Fax: +91 1255 265105/265217. Email: infoschool@brcm.edu.in. Website: www.brcm.edu.in

BRCM Public School, Gyankunj
Bahal 127028, Dist. Bhiwani, Haryana. Telefax: +91 1255 265128.
Email: brmgyankunj@brcm.edu.in. Website: www.brcm.edu.in

GDC Memorial College
Bahal 127028, Dist. Bhiwani, Haryana. Ph: +91 1255 216099, 265 056
Email: collegegdc@gmail.com

Regd. Office: Tobacco House, 4th Floor, 1 Old Court House Corner, Kolkata 700 001, INDIA
Ph : +91 33 22307299 (4 lines), Fax : +91 33 22484881

वर्ष-व्यापी लगातार कार्यक्रम

– **सन्तोष सराफ**, राष्ट्रीय महामंत्री

सर्वप्रथम मैं सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आनेवाले नए वर्ष के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ एवं आशा करता हूँ कि नव वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो। इसी के साथ मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र के अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद जी कानोड़िया, जिन्होंने २१ नवम्बर को नागपुर में आयोजित सम्मेलन की बैठक में निर्विरोध अध्यक्ष पद संभालने के उपरांत ३० जनवरी २०११ को पटना में आयोजित सम्मेलन के २२वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुझे महामंत्री बनाया व अन्य पदाधिकारियों की घोषणा की। तब से लेकर अब तक सम्मेलन के व्यापक कार्यों का लेखा-जोखा यहां प्रस्तुत कर रहा हूँ।

विदित हो कि पटना में आयोजित सम्मेलन के २२वें राष्ट्रीय अधिवेशन, जिसका उद्घाटन बिहार के पथ निर्माण मंत्री श्री नंद किशोर यादव ने किया था, इसी अवसर पर भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार के लिए रांची के श्री भागचन्द पोद्दार एवं सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार के लिए रतनगढ़ निवासी श्री सीताराम महर्षि को सम्मानित किया गया। साथ ही संगठन के एक पुराने कर्मचारी मथुरा सिंह को भी उनकी सेवा-भावना के लिए सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए श्री केसरीकांत शर्मा "केसरी" द्वारा लिखित पुस्तक 'सीखो राजस्थानी व्याकरण' का एस. आर. रुंगटा ग्रुप चाईबासा की ओर से लोकार्पण भी किया गया।

२० फरवरी को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया की अध्यक्षता में सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति अखिल भारतीय समिति की हिन्दुस्तान क्लब में एक बैठक हुई जिसमें सभी प्रांतों को लेकर एकल सदस्यता पर चर्चा हुई। दिखावा, आडंबर आदि को रोकने के लिए सतत प्रयास पर बल दिया गया तथा समाज सुधार का भार मारवाड़ी युवा मंच एवं महिला सम्मेलन के सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने सम्मेलन द्वारा पूर्व में लागू की गयी वैवाहिक आचार संहिता में कुछ संशोधन के बाद पुनः जारी करने का प्रस्ताव दिया, जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। शादी आदि के कार्डों पर हो रहे बेवजह के खर्चों को रोकने के लिए भी सकारात्मक कदम उठाने का आह्वान किया। राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पुस्तक सीखो राजस्थानी व्याकरण के पुनर्प्रकाशन की जिम्मेवारी एस. आर. रुंगटा ग्रुप चाईबासा ने अपने हाथों में ली।

शिक्षा में अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा "पद्म श्री" प्राप्त करने वाले शिक्षा प्रेमी श्री मामराज अग्रवाल एवं फिलासफी के क्षेत्र में श्रीलंका विश्वविद्यालय द्वारा महानगर में चिली के वाणिज्य दूत श्री जुगल किशोर सराफ को डाक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकरण के पश्चात् अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से २६ फरवरी २०११ को हिन्दुस्तान क्लब में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

२६ मार्च २०११ को कोलकाता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक से पूर्व ९ मार्च को भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली में आमरण अनशन पर बैठे अन्ना हजारे एवं उनके समर्थकों के समर्थन में महाजाति सदन से धर्मतल्ला स्थित गांधी मूर्ति तक निकली महारैली में सम्मेलन के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता शामिल हुए।

नेपाल में एक व्यवसायी की हत्या पर रोष जताते हुए सम्मेलन के पदाधिकारियों ने कोलकाता में नेपाल के कौंसुल जनरल से मुलाकात कर वहां के व्यवसायियों को सुरक्षा दिलाने की मांग की।

स्थायी समिति के बैठक में विचार विमर्श करते सम्मेलन के पदाधिकारी।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा श्री सीताराम शर्मा का शाल एवं पुष्पगुच्छ द्वारा अभिनन्दन।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा समाज सुधार प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए।

बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर समाज में राजनैतिक चेतना एवं मतदान के प्रति जागरूकता को लेकर १६ अप्रैल को "मतदान का महत्व" विषय पर एक संगोष्ठी हुई। इसके तहत महानगर के विभिन्न इलाकों में "समाज को जगाना है वोट देने जाना है" के बैनर व होर्डिंग्स लगाए गए। एसएमएस के माध्यम से भी इस अभियान को जारी रखा गया।

१४ जून २०११ को कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान ही सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो गयी, सभी सदस्यों को बैलेट पेपर भेजे गए। १० जुलाई २०११ को सम्मेलन भवन में मतगणना होनी थी लेकिन इस बीच सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नंद किशोर जालान का ८ जून २०११ निधन हो गया। स्व. जालान को श्रद्धांजलि देने के लिए ११ जून २०११ को मर्चेन्ट चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सभागार में एक सार्वजनिक शोक सभा को आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया ने की।

२५ जून २०११ को सम्मेलन की ओर से कोलकाता में हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन्नाथ पहाड़िया का सम्मान किया गया। इसी अवसर पर ऐवरेस्ट विजयारोही झारखंड निवासी श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल का भी सम्मान किया गया। एवरेस्ट फतह के लिए सम्मेलन की ओर से महामहिम पहाड़िया ने श्रीमती अग्रवाल को सम्मेलन का स्मृति चिह्न भेंट किया तथा सम्मेलन के अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया ने २१ हजार रुपए की धनराशि का चेक प्रदान कर ऐवरेस्ट विजयारोही का सम्मान किया।

इस अवसर पर "बदलते सामाजिक व नैतिक मूल्य" विषयक गोष्ठी के संदर्भ में महामहिम श्री जगन्नाथ पहाड़िया ने मारवाड़ी समाज के कार्यों की सराहना करते हुए समाज में धन-दौलत का दिखावा न करने एवं अपनी संस्कृति को बरकरार रखने की नसीहत दी। सम्मान से अभिभूत श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने भी समाज के कार्यों व योगदानों की सराहना की।

२७ जून को उच्च शिक्षा समिति के सदस्यों की एक बैठक समिति के चेयरमैन श्री प्रहलाद राय अग्रवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में हुई। १३ जुलाई को उच्च शिक्षा समिति के सदस्यों की बैठक सभापति श्री हरि प्रसाद कानोड़िया के अलीपुर आवास में हुई।

१६ जुलाई को सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति के सदस्यों के चुनाव हेतु प्राप्त मतों की गणना अमहर्स्ट स्ट्रीट स्थित सम्मेलन भवन में चुनाव अधिकारी श्री संजीव कड़ेल के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। २५ जुलाई २०११ को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कोलकाता चैम्बर ऑफ कॉमर्स में सम्पन्न हुई।

१० अगस्त २०११ को समाज सुधार उप समिति की बैठक कमेटी के अध्यक्ष श्री जेके सराफ के निवास पर हुई। बैठक में समाज सुधार की दिशा में कदम उठाते हुए महंगे कार्डो को रोकने पर चर्चा हुई।

१३ अगस्त को हसनाबाद अंचल के बाढ़ पीड़ितों हेतु मदद के लिए २० कार्टून बिस्कुट भेजे गए। १५ अगस्त २०११ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने सम्मेलन भवन में झंडोत्तोलन किया। २० अगस्त को सम्मेलन भवन में नवगठित स्थायी समिति की बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

इस बीच सम्मेलन के १४वें प्रांत के रूप में उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का गठन हुआ। इसके प्रांतीय अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान तथा प्रांतीय महामंत्री श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल बने है।

३ सितम्बर २०११ को सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति की नवगठित कमेटी की प्रथम बैठक उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में भुवनेश्वर में सम्पन्न हुई। बैठक में एकल सदस्यता, सदस्यता बढ़ाने एवं शाखा विस्तार तथा समाज सुधार सहित विविध मुद्दों पर चर्चा हुई।

स्वतंत्रता दिवस पर सम्मेलन भवन में झण्डोत्तोलन करते हुए सम्मेलन के उप-सभापति श्री राम अवतार पोद्दार

श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल को संस्था का स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन्नाथ पहाड़िया।

२४ सितम्बर २०११ को सीटीसी हॉल में वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें वित्त वर्ष २०१०-११ का वार्षिक लेखा-जोखा पारित हुआ तथा आगामी वर्ष के लिए पुनः श्री पी के लिल्हा को ऑडिटर नियुक्त किया गया।

२५ सितम्बर २०११ को राजस्थानी भाषा उप समिति के सदस्यों की बैठक हिन्दुस्तान क्लब में सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार पर व्यापक चर्चा हुई।

राज्य के पर्यटन मंत्री श्री रछपाल सिंह के आह्वान पर दुर्गापूजा के मद्देनजर २७ सितम्बर २०११ को सम्मेलन अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया के सहयोग से तारकेश्वर अंचल के गरीबों में एक हजार नयी साड़ियों का वितरण किया गया।

८ नवम्बर २०११ को सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की एक संयुक्त बैठक अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एकल सदस्यता लागू किये जाने एवं सम्मेलन भवन के निर्माण पर चर्चा हुई।

१ दिसम्बर को संविधान संशोधन उपसमिति की बैठक हुई। उपसमिति के अध्यक्ष श्री नंदलाल सिंघानिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सम्मेलन के अंग्रेजी नाम "आल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन" एवं "लोगो" के पंजीकरण करवाने का निर्णय लिया गया। एकल सदस्यता एवं सम्मेलन के दूरांचलों में विस्तार पर भी चर्चा हुई। साथ ही साथ वर्तमान सत्र के लिए चार और नामों का चयन किया गया – श्री रामअवतार पोद्दार, श्री विजय गुजरवासिया, श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री गोविन्द प्रसाद डालमिया। इसी दिन हन्दुस्तान क्लब में भवन निर्माण उपसमिति की भी बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता की उप-समिति के अध्यक्ष श्री द्वारिका प्रसाद डाबरीवाल ने। श्री डाबरीवाल ने बताया कि म्यूटेशन का कार्य पूरा हो चुका तथा भवन निर्माण का नक्शा शीघ्र आर्किटेक्ट से बनवाकर पास करवाने के लिए भेजा जाएगा। श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि नक्शा बनवाकर कॉरपोरेशन से पास करवाना पहली अनिवार्यता है उसके बाद भवन के बजट, सफाई एवं अग्निशमन आदि की व्यवस्था।

२ दिसम्बर २०११ को संगठन उपसमिति की बैठक हुई। हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित इस बैठक में संगठन उपसमिति के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने एकल सदस्यता शुरू करने एवं संस्था के विस्तार पर जोर दिया। सम्मेलन अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया, कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने सदस्यता बढ़ाने के लिए दूर-दराज के दौरे का सुझाव दिया। पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने श्री नोपानी से आग्रह किया कि संगठन की मजबूती के लिए जनवरी से जून २०११ तक के ६ माह व्यापी कार्यक्रम की रुपरेखा बनाकर दें ताकि प्रांतों को भेजी जा सके। तदोपरांत सदस्यता उपसमिति की बैठक भी सम्पन्न हुई, अध्यक्षता की उपसमिति के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ भुवालका ने। मौके पर उपस्थित सभी सदस्यों ने महानगर एवं आस-पास के अंचलों में नए सिरे से सदस्यता अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया। सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि लक्ष्य १०,००० सदस्य बनाने का है।

इससे पूर्व २८ नवम्बर को सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार निर्णायक मंडल की बैठक में उपसमिति के अध्यक्ष श्री रतन शाह, श्री सीताराम शर्मा, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री नथमल केडिया एवं श्री जुगल किशोर जैथलिया की सर्वसम्मति से राजस्थानी त्रैमासिक पत्रिका 'वरदा' के सम्पादक एवं वयोवृद्ध साहित्यकार डॉ उदयवीर शर्मा को पुरस्कार हेतु चयन किया गया। ●

हरियाणा के राज्यपाल श्री जगन्नाथ पहाड़िया को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते सम्मेलन सभापति श्री हरिप्रसाद कानोड़िया।

With Best Compliments From :

M/S. PARK CHAMBERS LTD.

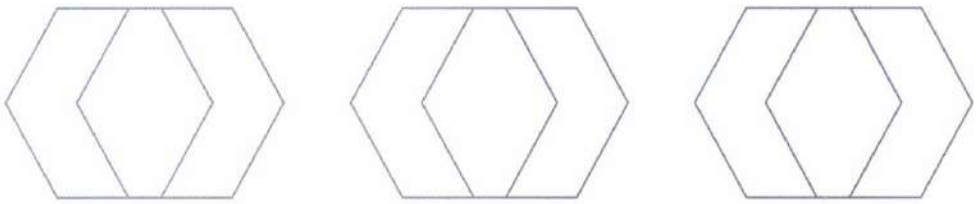

3/1, Dr. U.N. Brahmachari Street
Kolkata - 700017
Phone : 2287 1221 - 1224
Fax : 22873904
Email : pci@surekaproperties.com
Website- www.surekaproperties.com

सम्मेलन के प्राण पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान

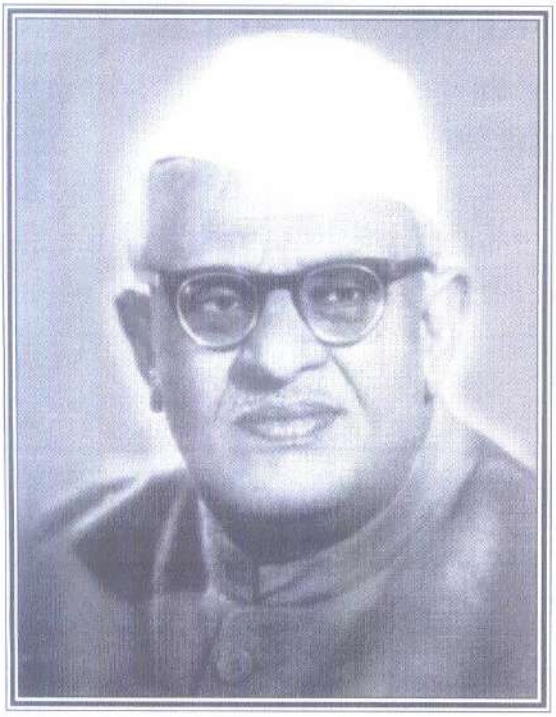

"इस समय देश को अपनी आर्थिक अवस्था सुलझानी है। उसे सुलझाने में व्यापारी समाज बहुत कुछ सहायक सिद्ध हो सकता है, परन्तु इसमें त्याग की आवश्यकता होगी। अनुचित लाभ से मुंह मोड़ना होगा। उचित रास्ते पर चलकर सरकार को भी उचित नीति का आश्रय लेने के लिए बाध्य करना होगा। परन्तु व्यापारी समाज जब तक अपने को ठीक रास्ते पर नहीं लाता है, तब तक सरकार के उपर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अपने कल्याण के लिए एवं देश के कल्याण के लिए ऐसा करना नितान्त आवश्यक है।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९३५-१९३८

भूतपूर्व अध्यक्ष
स्व. राय बहादुर रामदेव चोखानी

"जिस महान एवं पवित्र उद्येश्य को लेकर हमलोग यहां उपस्थित हुए हैं वह उद्येश्य है सम्पूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, ऐसा संगठन जो समाज में नवजीवन का संचार करनेवाला हो, उसके कार्यकर्त्ताओं में उल्लास, संजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरनेवाला हो और जिसमें समाज की विभिन्न शाखाएं सम्बद्ध हो, अपने जातीय हित और उससे भी वृहत्तर सम्पूर्ण देश के स्वार्थ सम्बन्ध रखनेवाले समस्त प्रश्नों पर विचार करें और अपना कर्त्तव्य स्थिर करें।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९३८-१९४०

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. पद्मपत सिंघानिया

"समाज की समस्या वर्षो से हमारे सामने है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। किन्तु यह विषय इतना विवादास्पद है कि हमने आपस में कहीं तर्क – वितर्क किया भी हो, पर खास ध्यान आकर्षित करना उचित नहीं प्रतीत होता। मैं उसे भविष्य के लिए छोड़ देता हूं। किन्तु यह चेतावनी दे देना भी जरूरी समझता हूं कि हम चाहें अथवा नहीं, सामाजिक समस्या का निकट भविष्य में सामना करना ही पड़ेगा।"

१९४०-१९४१

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. बद्रीदास गोयनका

"मैं समाज के सभी लोगों से यह अनुरोध करता हूं कि सामाजिक अवसर पर वे अपने खर्च को उचित सीमा के बाहर न जाने दें। मेरा यह अनुरोध केवल उन्हीं से नहीं है जिनके पास धन का अभाव है वरन मैं उन लोगों से भी अनुरोध करता हूं कि जिनके पास प्रचुर धन है, क्योंकि यह मानव स्वभाव है कि दूसरी श्रेणी की देखादेखी पहली श्रेणी के लोग अपनी सीमित आर्थिक अवस्था के बावजूद दिखावे और आडम्बर में उनकी नकल कसने को आतुर दिखाई देते हैं।"

१९४१-१९४३

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामदेव पोद्दार

"हमारा राजनैतिक स्वार्थ और भारत का राजनैतिक स्वार्थ एक है। मैं जातियता का पक्षपाती नहीं हूं इसलिए अपनी जाति के लिए विशेष अधिकार प्राप्त करने की अभिलाषा नहीं रखता। जिस कार्य में भारत का हित है उसी कार्य में भारत की प्रत्येक जाति का हित है। मेरे कहने का मतलब यह है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का आदर्श राष्ट्रीय है।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९४३-१९४७

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामगोपाल जी मोहता

"आज पूंजीपतियों के द्वारा जो शोषण का सिलसिला जारी है उसके विरुद्ध मानो भगवान ने जो गीता में कहा है उसी प्रतिज्ञा की पूर्ति के लिए समाजवाद और साम्यवाद प्रकट हो रहे हैं। हमको अपना रवैया बदलना होगा, अपनी योग्यता को कर्त्तव्य कर्मो के द्वारा लोक सेवा में लगाना होगा। सबके सहयोग से प्राप्त किये हुए धन को विश्व की सम्पत्ति समझना होगा, तभी सब सुख शान्तिपूर्वक जीवित रह सकेंगे।"

१९४७-१९५४

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. बृजलाल बियाणी

"समाज की प्रगति और विकास पर भी हमें ध्यान देना चाहिए। हमारा समाज प्राचीनता के बोझ से अभी तक दबा हुआ है....। मारवाड़ी सम्मेलन आज तक सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ अंश तक अलिप्त रहता आया है, पर अब समय आ गया है कि हमारा यह सम्मेलन अपनी इस अलिप्तता या उपेक्षा को त्याग कर सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाए। इस सम्मेलन का सम्भवतः यह एक प्रधान कार्य भी हो। यदि हम समाज के सामाजिक रूप को समय के अनुरूप बना दें तो काफी सहूलियतें हो सकती है।"

१९५४-१९६२

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. सेठ गोविन्द दास मालपानी

"ऐसा लगता है कि आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दिवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे ही एक साथ धनी बना जाय। कुछ लोगों ने इसका तरीका निकाला है–विवाह में मोटा दहेज लेना। प्रत्येक व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह धन सम्पन्न परिवार में करना चाहता है। मैं समझता हूं कि "टका धर्म" के कारण ही दहेज प्रथा आज उग्र रूप धारण कर रही है। यदि हम इसे हटाना चाहते है तो हमें "टका धर्म" को अलविदा कर देना है।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९६२-१९६६

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. गजाधर सोमानी

"सम्मेलन ने सदैव समाज को यह परामर्श दिया है कि जो भाई बहन भिन्न-भिन्न प्रांतों में या राज्यों में बसे हैं, उन्हें वहां का नागरिक माना जाए, उन्हें वहां के सामाजिक जीवन में पूरी तरह समरस हो जाना चाहिए।" "पर्दा–प्रथा से महिला समाज को छुटकारा दिलाने में सम्मेलन ने बंहुत बड़ा काम किया है और अब सामाजिक चेतना का इसमें संचार करना समाज के हित के लिए आवश्यक हो गया है।" "दहेज की बढ़ती हुई बीमारी की समस्या क्षय रोग की तरह हमारे गृहस्थ जीवन का विनाश कर रही है"।

१९६६-१९७४

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामेश्वरलाल टांटिया

"हमारे समाज में अपव्यय और धन के प्रदर्शन की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जो न तो स्वस्थ है और न वांछनीय ही। मितव्ययिता और सादगी हमारे पूर्वजों का मुख्य गुण रहा है और इसी के बल पर हम विभिन्न अंचलों में प्रगति कर सके। इन अनर्गल प्रदर्शनों के कारण स्थानीय लोगों में हमारे प्रति रोष ओर द्वेष की भावना बढ़ती जा रही है। यदि समय रहते हम नहीं चेते तो इसकी भयंकर प्रतिक्रिया होगी।"

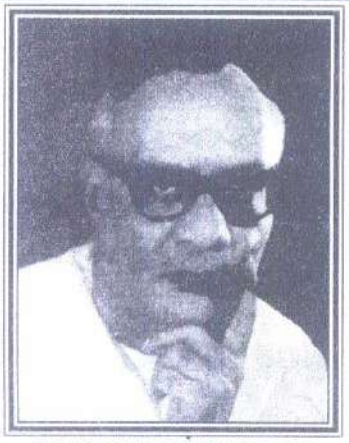

१९७४-७६ एवं १९७६-७९

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. भंवरमल सिंधी

वास्तव में मारवाड़ी समाज ने व्यवसाय एवं संपत्ति संग्रह को ही सम्पूर्ण लक्ष्य बनाकर अपने जीवन को जिस तरह ढ़ाल लिया, उससे वह अपने मूल राजस्थानी स्वरूप से विलग हो गया और अब तो राजस्थान में रहनेवाले लोग भी और बाहर जाकर शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति आदि क्षेत्रों में काम करने वाले राजस्थानी विद्वान और विचारक भी अपने को मारवाड़ियों में शामिल करने या इस रूप में ही परिचय कराये जाने में संकोच का अनुभव करते हैं। इसलिये आज अधिकांश लोगों की नजरों में मारवाड़ी जाति राजस्थानी नहीं, व्यवसायी जाति के रूप में ही परिचित होती है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

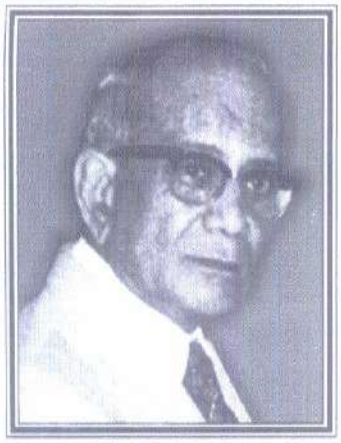

१९७९-१९८२

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार

"भारतीय परम्परा त्याग, बलिदान, सेवा एवं प्रेम पर आधारित रही है। हमने इतिहास में उन लोगों की पूजा की है जिन्होंने अपने स्वार्थ को परहित के सामने गौण समझा है। हमारे पूर्वजों की इस धरोहर को अक्षुण्ण रखते हुए सर्वांगीण विकास करना है। कोई चीज पुरानी होने से ही त्याज्य नहीं हो जाती बल्कि उसका सही मूल्यांकन कर हमें एक स्वस्थ समाज की रचना करनी है। लेकिन जिन मूल्यों एवं मानदण्ड के आधार पर आज हमने प्रगति की और अपनी एक विशिष्ट पहचान पायी है उनमें इधर कुछ कमी आयी है। इसका असर पूरे समाज पर पड़ा है। हमारे समाज का सबसे बड़ा शत्रु है दिखावा एवं आडम्बर जिसने पूरे समाज की कमर तोड़ दी है।"

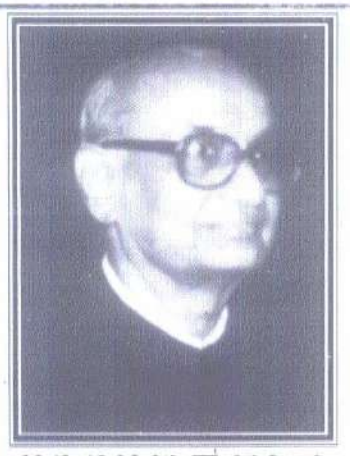

१९८२-८६,९३-९७ एवं ९७-२००१

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. नन्दकिशोर जालान

"कार्य करना एक ओर है तो दूसरी ओर नई समस्याओं का आकलन और उनका सामना, उनसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ऐसे अनेक क्षेत्र हैं जहां आज भी विकास अवरुद्ध है और उन क्षेत्रों में इस प्रक्रिया को प्रारंभ करना है। उच्च शिक्षित, विवाहित युवकों द्वारा किसी भी बहाने पत्नी को छोड़ने की समस्या, तलाकशुदा स्त्रियों एवं विधवाओं से विवाह के प्रति युवक मानस की कुंठा, विगत धंधों से निष्कासित हजारों परिवारों के लिए नये व्यवसाय धंधे की खोज, धार्मिक अंधविश्वास में आज भी लाखों रूपयों का स्वाहा होने को रोकना एवं देश की विभिन्न नीतियों में आ रहे परिवर्तन के प्रति आवश्यक सजगता व संवेदना की कमी, सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहे दहेज व प्रदर्शन की क्षुधा जिसमें युवक समुदाय की शै कम होने के बदले बढ़ती लगती है, आदि अनेक ऐसे प्रश्न हैं जिससे समाज को जूझना है। और इस कार्य के लिए सम्मेलन जैसी संस्था की उपयोगिता और आवश्यकता स्वयं उद्घोषित है।"

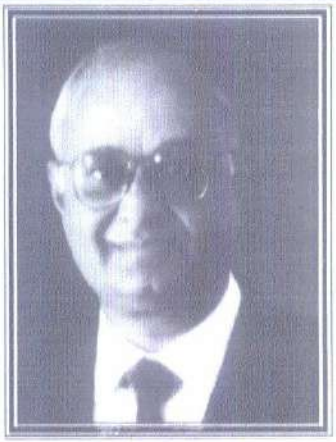

१९८६-१९८९

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री हरिशंकर सिंघानिया

"दानशीलता हमारे समाज की विशेषता रही है। लेकिन नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर चलने वाला समाज नैतिक स्तर से गिर रहा है। यह एक विचित्र सामाजिक विडंबना है। सम्मेलन के मंच से बराबर सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के विरूद्ध प्रस्ताव पास किये जाते रहे हैं, लेकिन समस्याएं कहीं कम हुई हैं तो कहीं और बढ़ गई है। फिजूलखर्ची और दहेज की समस्या विवाह-संस्कार आदि के कार्यक्रमों में दानवी रूप लेती जा रही है। हमें स्वयं आत्म चिन्तन करके इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए एवं अन्य समाजों के समक्ष उदाहरण रखना चाहिए तभी निम्न और मध्यवर्ग का मारवाड़ी भाई अपनी प्रतिष्ठा बचा सकेगा।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

१९८९-१९९३

भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. रामकृष्ण सरावगी

"जिस दिन समाज के कार्यकर्ता, समाज के सभी वर्गों के भाई–बहन सैकड़ों हजारों की संख्या में सामाजिक बुराइयों और सामाजिक अन्याय के विरूद्ध प्रान्तीयता और संकीर्णता के विरूद्ध, शोषण और दुर्नीति के विरूद्ध अनवरत आंदोलन प्रारंभ करेंगे, उस दिन वे अकेले नहीं रहेंगे। समस्त भारतीय समाज के लोग उनके साथ आ मिलेंगे और उसी दिन समाज सही छवि स्थापित कर सकेगा। समाज की सर्वांगीण उन्नति का सम्मेलन का सपना साकार होगा।"

२००१-०४ एवं २००४-०६

भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान

सिर्फ देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी हमारे समाज की एक विशिष्ट पहचान है और इसके पीछे है हमारे पूर्वजों की अथक परिश्रम एवं दूरगामी सोच। समय के साथ हमारे समाज ने पुरानी परम्पराओं, जैसे कि बाल-विवाह, पर्दा-प्रथा, महिलाओं की अशिक्षा, दहेज प्रथा आदि कई कुरीतियों को कहीं पीछे छोड़ दिया है। कल तक घर की चाहरदिवार में कैद औरत आज व्यापार, कला, संस्कृति, साहित्य, समाज सेवा, खेलकूद, राष्ट्रविकास तथा अन्य कई क्षेत्रों में अपना उल्लेखनीय योगदान कर रही है। साथ ही हमारी आने-वाली पीढ़ी को सुसंस्कृत करने का भी काम कर रही है।

कवि छन्दराज पारदर्शी का देहदान

कवि श्री ओमप्रकाश डाँगी पारदर्शी का स्वर्गवास शरद पूर्णिमा दिनांक १२ अक्टूबर २०११ को हो गया। ७१ वर्षीय श्री पारदर्शी की पार्थिव देह को संकल्पानुसार आर. एन. टी. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में वहाँ अध्ययनरत शोधार्थियों के चिकित्सा अनुसंधान के लिए शोकाकुल स्वजनों एवं सैंकड़ों परिचितों की उपस्थिति में समर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि श्री पारदर्शी ने ३५ वर्ष पूर्व देहदान का संकल्प समाचार-पत्रों के माध्यम से निम्बाहेड़ा (राजस्थान) में किया था। जिसका अधिकृत अनुमोदन दिनांक ९-५-२००७ को जिला मजिस्ट्रेट, उदयपुर की स्वीकृत से किया था।

कवि पारदर्शी के ज्येष्ठ पुत्र कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने बताया कि आप पिछले दो माह से अस्वस्थ चल रहे थे तथा अस्वस्थता के बावजूद भी आपका सृजन अनवरत गतिमान था और जीवन के आखरी दौर में आप भगवान महावीर पर खण्डकाव्य लेखन में रत थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

२००६-२००८

पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा

किसी भी ७१ वर्षीय संस्था के लिये सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न होता है अपनी सामयिकता एवं प्रासंगिकता को बनाये रखना। मारवाड़ी सम्मेलन के लिये समय के साथ चलना तुलनात्मक रूप से सहज था क्योंकि सम्मेलन की स्थापना के पीछे मूल उद्देश्य ही था समाज को समयानुसार परिवर्तन की ओर अग्रसर करना। सम्मेलन समाज के लिये स्वयं बदलाव का स्त्रोत एवं प्रेरक रहा है। परन्तु मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता के सवाल पर यदा-कदा प्रश्न उठते रहते है कि सम्मेलन क्या है, क्यों है, और किस लिये है? इन प्रश्नों को न तो सिरे से खारिज किया जा सकता है, न ही उन्हें नजरअन्दाज किया जाना चाहिये।

समाज शिक्षित हुआ है, लेकिन सुधार अभी भी बाकी है। मारवाड़ी समाज अपनी जिन खूबियों के लिये जाना जाता है, उन्हें खो रहा है। संचय की प्रवृति का ह्रास हुआ है एवं झूठा दिखावा एवं प्रदर्शन बढ़ रहा है। व्यवसाय में जुबान की कीमत एवं ईमानदारी में कमी हुई है। पारिवारिक टूटन, अनुशासन का अभाव, बढ़ते तलाक, टूटते विवाह आदि ऐसे सामाजिक प्रश्न है, जिन्हें कोई कोर्ट कचहरी नहीं सुलझा सकते। यह सुधार समाज को स्वयं करना है। जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली भूमका निभानी है।

२००८-२०१०

पूर्व अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुंगटा

सम्मेलन का कार्य समाज हित में व्यापक है इसे और व्यापक बनाने के लिये सम्मेलन को न सिर्फ प्रान्तीय स्तर पर, बल्कि सम्मेलन की शाखाओं को हर गांव तथा शहर में और अधिक संगठित होने की जरूरत है। हमारी चेष्टा रहनी चाहिए कि समाज के प्रत्येक मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक सदस्य सम्मेलन का साधारण, आजीवन या संरक्षक सदस्य जरूर बने। यह बात सभी जानते हैं कि किसी भी जातिगत संस्थाओं का विकल्प संभव है, परन्तु मारवाड़ी सम्मेलन का विकल्प खोजना समाज को कमजोर करना है। आईये, समाज के इस संगठन को हर स्तर पर और अधिक मजबूत करने में अपना योगदान देवें।

With Best Compliments From :

"जागो ग्राहक जागो – सच को जानो"

TATA TISCON पुरे बिहार में एक ही दाम में उपलब्ध

टाटा टिस्कॉन 500 D बनाने की विधि

- टाटा स्टील अपने माइन्स से आयरन ओर (स्टील) निकाल कर आधुनिक तकनीकी द्वारा ब्लास्ट फरनेश, L.D एवं लेडल रिफाइनींग द्वारा 100% शुद्ध कर बिलेट का निर्माण करती है।
- ब्लास्ट फरनेश, L.D एवं लेडल रिफाइनींग (**Blast Furnace, L.D & Ladle Refining**) के द्वारा ही स्टील को 100% शुद्ध किया जा सकता है।
- ब्लास्ट फरनेश, **L.D** एवं लेडल रिफाइनींग के द्वारा ही फास्फोरस एवं सल्फर को **BIS 2008** मानक के अनुसार नियंत्रण कर 100% शुद्ध स्टील बनाया जाता है।
- 100% शुद्ध स्टील से बने बिलेट को आधुनिक कारखाना में नवीनतम टेक्नोलॉजी, आधुनिक उपकरणों तथा विश्व की सबसे उन्नत टेक्नोलॉजी टेम्पकोर पद्धति से टाटा टिस्कॉन 500 **D** का निर्माण किया जाता है।

अधिकतर अन्य ब्रान्डेंड टी. एम. टी. बनाने की विधि

- अधिकतर अन्य ब्रान्डेड टी·एम·टी बनाने वाले इनडक्सन फरनेश में स्क्रैप एवं स्पंज आयरन को गला कर इंगोट एवं बिलेट का निर्माण करती हैं।
- इनडक्सन फरनेश द्वारा स्टील को शुद्ध नही किया जा सकता है।
- इनडक्सन फरनेश में **BIS 2008** मानक के अनुसार फासफोरस एव सल्फर को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है, जिसके कारण शुद्ध स्टील नहीं बनाया जा सकता है।
- स्क्रैप एवं स्पंज आयरन से बने इंगोट, बिलेट (जो शुद्ध स्टील नहीं है।) को रीरौलिंग कर अधिकतर अन्य ब्रान्डेड टी·एम·टी का निर्माण किया जाता है।

निर्णय आपको लेना है। क्योकि घर एक बार बनता है बार बार नही।

- 100% शुद्ध स्टील (जिसमें फासफोरस एवं सलफर की मात्रा **BIS 2008** मानक के अनुसार है) से नवीनतम टेक्नोलॉजी तथा आधुनिक उपकरणो द्वारा निर्मित टाटा टिस्कॉन 500 **D** लेना है।

अथवा

- स्क्रैप एवं स्पंज आयरन से बने इंगोट, बिलेट, जो शुद्ध स्टील नही है। (जिसमें फासफोरस एवं सलफर की मात्रा **BIS 2008** मानक के अनुसार नहीं होती) को रीरौलिंग कर बने लोकल ब्रान्डेड टी·एम·टी लेना है।
- आप अपने नजदीक के **TATA TISCON** के डीलर से सम्पर्क करें।
- कस्टमर केयर नः– **1800-419-9919**

Authorised Distributor :- BMW Ventures

TATA TISCON

On our 25th birthday,
we have got some fabulous gifts...

It's still a few months away before we blow the candles and cut the cake.
But the gifts have started pouring in nevertheless.
Gifts, that are a result of our continued commitment and hardwork, overwhelming us with pride, recognition and jubilation.
As we enter our 25th year, here's thanking everyone for endowing us with such exciting suprises and wishing that there will be many more to come.

CENTURYPLY

POWER BRAND

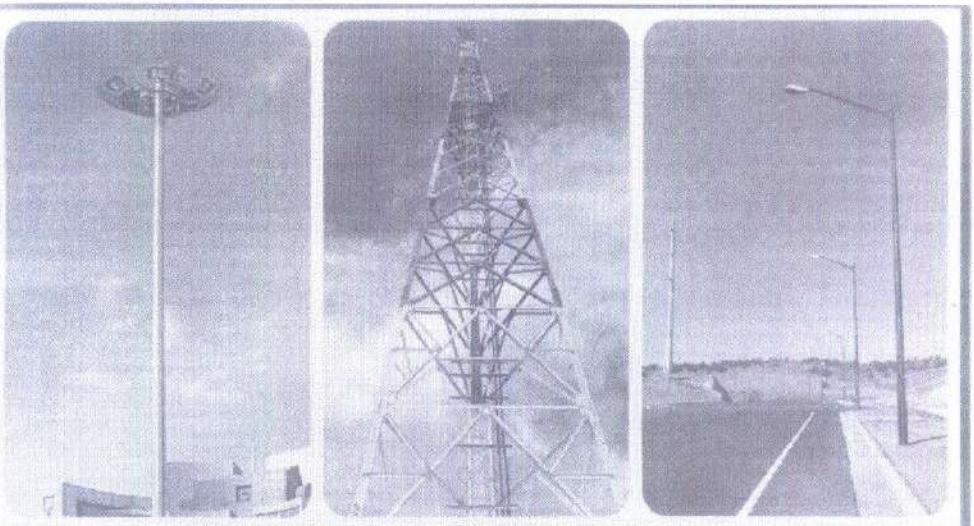

Quality products with the Skipper Advantage

- MS & GI Pipes
- Telecom Towers
- Transmission Towers
- Swaged Poles
- Octagonal Poles
- High Mast Poles
- Scaffoldings
- PVC Pipes

Skipper Limited, one of the leading manufactring companies of India creates value for its customers by continually improving the quality of its products through innovation and sustained growth. We offer a wide range of finely crafted quality-managed poducts and turnkey speciality services that meet industry standards.

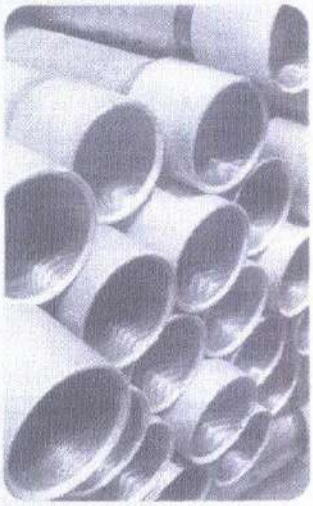

SKIPPER
Limited

3A, London Street, 1st Floor, Kolkata 700 017, India
mail@skipperlimited.com, skipperlimited.com
+91 33 2289 5731 / +91 96741 31159

सम्मेलन के रजत जयंती समारोह में शिरकत करते पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ विधानचंद्र राय

मारवाड़ी समाज की देश सेवा अतुलनीय है। धर्म, शिक्षा, समाज– सेवा आदि के क्षेत्रों में मारवाड़ी समाज ने सराहनीय कार्य किया है। बाढ़, सूखा तथा अन्य संकट उपस्थित होने पर मारवाड़ी समाज ने जो काम किया व करती है, वह किसी से छिपा नहीं है। याद रखें, जातीय और सामाजिक सम्मेलनों का लक्ष्य राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाना होना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके सम्मेलन के सम्मुख यह लक्ष्य निरंतर बना हुआ है और बना रहेगा। यह मारवाड़ी जाति की जिम्मेदारी है कि उसके प्रयत्न व्यक्तिगत तथा जातिगत अभ्युत्थान के लिए हो। देश मारवाड़ी समाज के प्रति कृतज्ञ है, क्योंकि इसने देश के औद्योगिक विकास में बहुत बड़ा योगदान किया है। इस समाज में दो महान गुण है – प्रथमतः यह समाज देश के सभी समाजों में अत्यन्त साहसी है और दूसरा यह कि बहुत दयालु है। जहां कहीं भी कोई संकट आता है, वहां मारवाड़ी सहायता के लिए दौड़ पड़ते है।

खड़ा हिमालय बता रहा है
डरो न आंदी पानी में।
खड़े रह तुम अविचल होकर
सब संकट तुफानी में।

डिगो ना अपने प्रण से, तो तुम
सब कुछ पा सकते हो प्यारे,
तुम भी ऊंचे उठ सकते हो
छू सकते हो नभ के तारे।

– राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी

सम्मेलन के स्वर्णजयन्ती समारोह में शिरकत करते
तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. ज्ञानी जैल सिंह

मारवाड़ी समाज ने जितने भी कार्य किये वह किसी जाति या क्षेत्र विशेष के लिये नहीं अपितु पूरे राष्ट्र के लिये हैं। मारवाड़ी भाई शांतिप्रिय हैं किन्तु अपनी आवाज बुलन्द करना जानते हैं। उनका सबसे बड़ा गुण है कि उनमें सब्र करने की शक्ति है एवं वो कम बोलते हैं। मारवाड़ी समाज द्वारा समाज सुधार के लिये किये गये संघर्ष उल्लेखनीय है, लेकिन दहेज जैसी कुप्रथा सदा-सदा के लिये समाप्त होनी चाहिये। दहेज प्रथा सम्पूर्ण नारी जाति का अपमान है। इस देश में जहां नारी की पूजा होती है, वहां इस प्रकार की कुप्रथा कलंक है। लड़की को लड़के के बराबर दर्जा एवं सम्मान दिलाना होगा। हम बेटा होने पर ही क्यों खुशी मनाते हैं? हमें समाज में परिवर्तन करना होगा।

महिलाओं को पूरा सम्मान दें और दहेज पर सामाजिक प्रतिबन्ध लगाया जाय। स्वतंत्र भारत में महिलाएं उच्च पदों पर हैं। लेकिन समाज पर भी महिलाओं का पूर्ण प्रभाव है। इन्सान अपने गुणों से ही उपर उठता है। देश प्रेम और एकता की भावना रखकर इस समाज ने प्रगति के लिये काम किया है। मारवाड़ी देश में सर्वत्र फैले हुए हैं और जहां भी हैं वहां घुलमिल कर रह रहे हैं। यह प्रशंसनीय हैं। साधन की कमी के बावजूद उन्होंने व्यापार को बढ़ाया है। जनसेवा के काम भी बगैर किसी भेदभाव के कर रहे हैं। मारवाड़ी समाज अपनी दूरदर्शिता, हिम्मत और खूबियों को कायम रखकर देश व जनता के हित में और अधिक काम करेगा।

कुम कुम लेपूं किसे सुनाऊँ किसे मैं कोमल गान, तड़प रहा आंखों के आगे भूखा हिन्दुस्तान।
बोल दिल्ली तू क्या कहती हैं, तू रानी बन गयी वेदना जनता क्यों सहती हैं?

– राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर

सम्मेलन की हीरक जयन्ती समारोह में शिरकत करते
तत्कालीन राष्ट्रपति स्व. शंकर दयाल शर्मा

कोलकाता हमारे देश की औद्योगिक एवं सांस्कृतिक नगरी रही है। यह स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र रहा है। करीब चार सौ वर्ष पूर्व यहां की औद्योगिक क्षमता से आकर्षित होकर मारवाड़ क्षेत्र के व्यापारियों ने इधर आना शुरू किया था। उस समय मारवाड़ियों की इतनी अधिक प्रतिष्ठा थी कि अनेक राज्यों के शासक उन्हें अपने यहां के आर्थिक विकास के लिये आमंत्रित करते थे। हैदराबाद के निजाम ने तो उन्हें अपने यहां आमंत्रित करने के लिए हर संभव सहायता देने का वचन दिया था।

अपनी गतिशीलता, संघर्ष करने की क्षमता, कार्य के प्रति निष्ठा तथा ईमानदारी के बल पर मारवाड़ियों ने पूरे देश में न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि वहां के लोगों से आदर भी प्राप्त किया। १९वीं शताब्दी तक मारवाड़ी देश के उन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंच गए थे, जहां अन्यथा कोई जाना तक पसंद नहीं करता था। वे वहां जाकर धन कमाकर लौटे नहीं, बल्कि वहां उन्होंने अपना स्थायी घर बनाया। बल्कि मैं तो यह कहना चाहूंगा कि वहां अपना घर ही नहीं बनाया, बल्कि उसे ही अपना घर समझा। इस प्रकार वहां के लोगों से मिल जुलकर उस क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान करने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में भी अपनी भूमिका निभाई।

जग में रहकर निज नाम करो, यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यार्थ न हो, कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो न निराश करो मन को।

– राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त

सम्मेलन की कौस्तुभ जयन्ती समारोह में शिरकत करती
महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील

कोलकाता शहर के विकास में मारवाड़ी समाज की खास भूमिका रही है। उन्होंने लगभग ४०० वर्ष पूर्व इस शहर को अपने उद्योग और व्यापार का केन्द्र बनाया था। अपनी ऊर्जा, संघर्ष की क्षमता, अपनी निष्ठा तथा ईमानदारी के बल पर उन्होंने न केवल कोलकाता बल्कि पूरे देश में अपना कारोबार फैला दिया। यही नहीं, धीरे-धीरे उन्होंने पूरे देश के दूर-दराज के इलाकों में जाकर वहां अपना उद्योग-व्यापार शुरू कर दिया और वहां बस गये और इतनी अच्छी तरह से बस गये जैसे कि यहां बताया गया कि दुध में शक्कर मिलाई जाती है तो दूध मीठा हो जाता है शक्कर नहीं दिखती है उसका स्वाद बदल जाता है। इस प्रकार आज मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने तक फैला हुआ है और वहीं की मिट्टी में रचा-बसा नजर जाता है। इन्होंने न केवल धन अर्जित किया वरन् राष्ट्र की सेवा के लिए कई सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी खड़े किये। और यह आपका संगठन बहुत बड़ा है, कई राज्यों में इसकी शाखाएं है और बड़ी निष्ठापूर्वक काम कर रहा है। मैं आपको बधाई देना चाहती हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस समाज के युवकों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की बढ़-चढ़कर मदद की। इस कार्य में श्री जमनालाल बजाज और श्री घनश्यामदास जी बिड़ला, इनके जैसे व्यक्तियों ने जो योगदान दिया वो भला कौन भूल सकता है। यही नहीं, इस समाज ने युद्ध, बाढ़, भूकंप, अकाल तथा अन्य आपदाओं के समय भी विपत्तिग्रस्त लोगों की सहायता में बहुत बड़ा योगदान दिया है, कार्य किया है।

मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने भी समाज और राष्ट्र की सेवा में आगे बढ़कर-चढ़कर हिस्सा लिया है। सम्मेलन द्वारा महिलाओं के विकास के लिए कई कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। मैं समझती हूं कि नारी सहाक्तीकरण देश के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

सम्मेलन की उपलब्धियों पर नजर डालने से मालूम होता है कि समाज ने महिलाओं की शिक्षा के प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य, विधवा-विवाह आदि के साथ-साथ सामाजिक समरसता स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया है। यह बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही समाज ने दहेज प्रथा की बुराई को समाप्त करने का भी प्रयास किया है।

आ रही हिमालय से पुकार, है अवधि गरजता बार बार
प्राची पश्चिम भू नभ उधार, सब कुछ रहे है दिग-दिगन्त–
वीरों का कैसा हो बसन्त। – सुभद्रा कुमारी चौहन

यूपीए शासन की दो हस्तियां

सोनिया और मनमोहन की पूरे विश्व में सराहना

भ्रष्टाचार के मुद्दों पर इन दिनों यूपीए सरकार हाशिए पर है। लेकिन ऐसी परिस्थितियों में जब बढ़ती महंगाई और विपक्षी पार्टियों के अनवरत दबाव के बीच यूपीए सरकार की दो महान् हस्तियों को विश्व मीडिया सम्मानित करें तो निस्संदेह सरकार को थोड़ी राहत मिलनी स्वाभाविक है। ये दो महान् हस्तियां है मनमोहन सिंह एवं सोनिया गांधी। सोनिया गांधी के लिए ब्रिटीश पत्रिका न्यू स्टेट्समैन लिखता है कि वे कांग्रेस के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक अध्यक्ष पद पर रहने वाली एक महान हस्ती है। वैसे यह सम्मान सोनिया गांधी को गत वर्ष सितम्बर २०१० में ही हासिल हो गया था जब वे चौथी बार कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी। भारत की सबसे शक्तिशाली नेता के रूप में सोनिया गांधी को विश्व के ५० सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में स्थान दिया गया है।

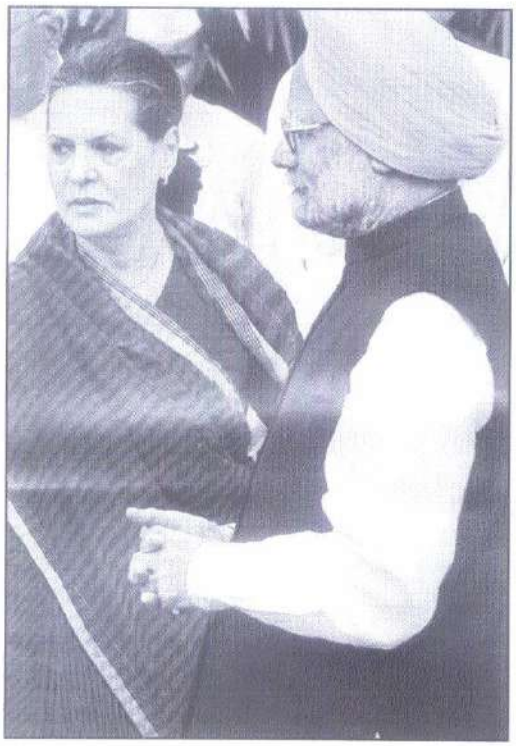

जहां तक मनमोहन सिंह का सवाल है तो देश के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका सातवां वर्ष है। उनके ७९वें जन्म दिवस पर पूरे विश्व भर की मीडिया ने उनकी सराहना की थी। लोगों ने तो यहां तक मान लिया है कि यदि मनमोहन सिंह को देश के प्रधानमंत्री पद से त्याग पत्र देना पड़ा तो संभवतः उन्हें विश्वभर में छाए आर्थिक संकटों को सुलझाने के लिए अमेरिका आमंत्रित कर सकता है। वैसे इन दोनों लोगों को मनमोहन सिंह का बॉयोडाटा ही सबसे अधिक लुभा रहा है। शायद बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्हें शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए 'पदम विभूषण' मिला था। यदि उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड का शुरु से आकलन किया जाए तो यह काफी चौंकाने वाला ही नहीं बल्कि हैरतअंगेज भी है। पीएमओ की वेबसाइट में ये तमाम उपलब्धियां मौजूद है और इसी से पता चलता है कि वे अर्थशास्त्र में कैम्ब्रिज से ऑनर्स है।

सन् १९८७ में उन्हें पदम विभूषण से सम्मानित किया गया तथा १९९३ में क्रमशः दो बार उन्हें यूरो मनी अवार्ड तथा एशिया मनी अवार्ड से सम्मानित किया गया था। सन् '५४ में पंजाब यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में एमए किया वो भी प्रथम श्रेणी व प्रथम स्थान से। पंजाब यूनिवर्सिटी तो मानों ऐसे होनहार छात्र को पाकर धन्य हो गयी। इन्हें उत्तरचंद कपूर पुरस्कार से (यूनिवर्सिटी के सबसे अहम) सम्मानित किया गया। सन् '५५ में विशिष्ट प्रदर्शन केलिए सेंट जॉन कॉलेज कैम्ब्रिज, यूके ने इन्हें राइट्स पुरस्कार से नवाजा और फिर सन् ५६ में मिला एडम स्मिथ पुरस्कार। और इसके एक साल बाद ही मनमोहन सिंह को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में रेनबरी स्कॉलर चुन लिया गया। इन्होंने इकोनोमिक ट्रिपोज प्रथम श्रेणी ऑनर्स की थी।

रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

अब इन्हें 'इंडिया' लाते हैं। तो सन् '७६ में जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली में मानद प्राफेसर के रूप में नियुक्ति हुई। १९८२ में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकर्स के मानद फैलो बने। इसी साल सेंट जॉन्स कॉलेज, कैंब्रिज के भी मानद फैलो घोषित किये गए। सन् '८७ में पदम विभूषण मिला। सन् '९३ में क्रमशः दो बार यूरो मनी ऑवार्ड एवं एशिया मनी ऑवार्ड के लिए 'वित्त मंत्री' के रूप में सम्मानित किये गए। १९९४ में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के मानद फैलो एवं १९९६ में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स में मानद् प्रोफेसर बनें।

सन् '९५ में भारतीय विज्ञान कांग्रेस ने नवाजा तो १९९७ में जापान के एक प्रमुख अखबार ने। इसी वर्ष हेगड़े पुरस्कार एवं लोकमान्य तिलक पुरस्कार भी पाया। १९९९ में कांची पीठ के ट्रस्ट की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति वेंकटरमण के हाथों परमाचार्य अवार्ड प्राप्त किया और २००० में अन्ना साहेब चिरमुले अवार्ड। इसके अलावा १७ विश्वविद्यालयों ने डॉ. मनमोहन सिंह को मानद् डी. लिट दिया है।

With Best Compliments From :

DINODIYA WELFARE TRUST

A Social Service Institution To Work For The Under-Privilege Population of Rural & Tribal Areas

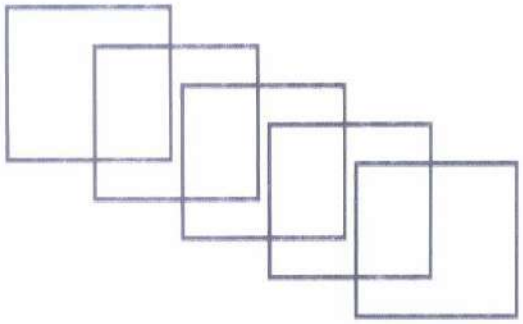

White House Block A & B
119, Park Street
Kolkata - 700 016

संगठित होकर काम करना समाज के लिए संजीवनी

समाज से मतलब मारवाड़ी समाज से है। सेवा, धर्म, शिक्षा सभी जगह हमारे समाज की अग्रणी भूमिका रहती है। चाहे कोई भी सेवा कार्य हो, किसी भी संस्था के द्वारा या व्यक्तिगत स्तर पर हो, हर जगह हमारे समाज का अच्छा योगदान रहता है।

मारवाड़ी समाज एक प्रबुद्ध समाज है। यह गतिशील तथा क्रियाशील समाज है। अपने शक्ति, परिश्रम द्वारा आजीविका अर्जित करता है। अपनी बुद्धि और विवेक से जीवन की सुख-सुविधा जुटाने में सक्षम हुआ है। मारवाड़ी समाज हर क्षेत्र में आगे जा रहा है।

संगठन, समाज की तथा समाज व्यक्ति की शक्ति है। व्यक्ति और समाज में अनोन्याश्रय संबंध है। समाज में रह कर ही व्यक्ति अपनी जरूरतों की पूर्त्ति करता है जिससे उसके व्यक्तित्व का विकास होता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक उसे हर पल समाज की आवश्यकता पड़ती है। समाज के सहयोग के बिना वह कुछ नहीं कर सकता है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति समाज से सहयोग ले और समाज को सहयोग दे तभी संगठन मजबूत होगा। एक दूसरे के सुख-दुःख में साथ दें। प्रेम करे तो संगठन अवश्य सुदृढ़ होगा। समाज में समर्पित कार्यकर्त्ताओं का अभाव है। उन्हें समाज एवं राष्ट्र के बारे में सोचने की फुर्सत नहीं है। जब समर्पित लोग आगे आयेंगे तभी संगठन मजबूत होगा। समाज के प्रत्येक सदस्य को अपने दायित्व को समझते हुए जो महानुभाव सम्मेलन के सदस्य नहीं है, उन्हें सम्मेलन का सदस्य बनाकर संगठन से जोड़ने का प्रयास करना विशेष कर युवा वर्ग को।

हमारा संगठन यानि मारवाड़ी उतना संगठित नहीं हो पाया है, जितनी आवश्यकता है। हम अनेकों सेवा एवं धर्म के कार्य कर रहे हैं, मगर हम अलग-अलग संस्थाओं के बैनरों तले यह कार्य करते हैं। अगर हम सब इकट्ठे होकर एक बैनर तले कार्य करें, समाज के हर व्यक्ति को संगठन से जोड़े तो हमारा संगठन चट्टान की तरह मजबूत होगा और हर जगह हमारी पहचान बनेगी।

हम संगठित हो जायेंगे तब सभी राजनैतिक पार्टियां हमारे महत्व को समझेंगी। आज वे हमारे ही सहयोग से चुनाव लड़कर जीतते हैं। हम संगठित हो जायें तो सभी राजनीतिक पार्टियां हमारे लोगों को प्राथमिकता देंगी। आज सभी जगह हमारा समाज पूरे लगन, निष्ठा एवं सद्भावना के साथ रह रहा है तो जितना कमाता है, उसका बहुत बड़ा हिस्सा वहीं पर सेवा कार्य में खर्च भी करता है। अब जरूरत है तो केवल इस बात की कि वो संगठित हो तथा जो भी कार्य करे उससे कुछ कार्य अपने संगठन को मजबूत बनाने के लिए जरूर करें, ऐसा करने से वो दिन दूर नहीं जब राजनीति में अपने आप हमारे भागीदारी बढ़ जायेगी। हमारे बिना कोई भी कार्य पूरा नहीं कर पायेगा।

संगठन को और सुदृढ़ बनाने के निमित्त निम्न सुझाव पर अमल करने की जरुरत है–

(१) सम्मेलन के प्रति अपने लोगों में विश्वास जागृत करना।

(२) समाज के किसी भी भाईयों के साथ कोई अप्रिय घटना घटती हो तो उस स्थान पर जाकर उसकी जानकारी लें तथा उन्हें यथा संभव सहयोग करना।

(३) समाज के लोगों का मतदाता पहचान पत्र बनवाना एवं उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना।

(४) समाज के आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों को निवेदन करना की वे शाखा, युवा मंच, महिला मंच के कार्यक्रमों में विज्ञापन के रूप में सहयोग दें ताकि भावी कार्यक्रम सफल हो।

(५) स्थानीय अन्य जातियों के लोगों से आपसी तालमेल बढ़ाना ताकि हमारे संगठन की पहचान बन सके।

(६) समाज में बढ़ रहे दिखवे एवं आडम्बर के कारण हम समाज के मध्यम एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को जोड़ने में असफल रहते हैं। इसके लिए हमें दिखावे एवं आडम्बर पर अंकुश लगाने हेतु सार्थक प्रयास करने चाहिए, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को जोड़ने में सफल हो सके। आपका थोड़ा सा सहयोग समाज को संगठित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

– कमल नोपानी
अध्यक्ष– संगठन उप-समिति
अ० भा० मारवाड़ी सम्मेलन

परिवार को संगठित रखना वक्त की जरूरत

– द्वारका प्रसाद डाबरीवाल

भारतीय समाज में परिवार नामक संस्था का महत्व सदियों से है। परिवार व्यक्ति की पहचान का प्रथम विन्दु है। व्यक्ति जीवन में चाहे जिस ऊंचाई तक पहुँच जाये परिवार के विना उसकी सारी उपलब्धि शून्य है। परिवार जीवन में अनुशासन लाता है, संस्कार देता है, विवेकशील बनाता है, सामाजिक आचरण सिखाता है, जीने का तरीका वताता है और संकट के समय साथ में खड़े होकर सुरक्षा प्रदान करता है। चाहे जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, परिवार की भूमिका को अस्वीकार करना संभव नहीं है।

संप्रति परिवार को लेकर वहस का कारण यह है कि नई पीढ़ी का एक अंश समाज और परिवार के परंपरागत ढांचे को चुनौती दने लगा है। ऐसे लोगों को लगता है कि भारत की परंपरागत व्यवस्था से मुंह मोड़कर पश्चिम की व्यक्ति केन्द्रित व्यवस्था से नाता जोड़ना जीवन में सुख और समृद्धि के लिए अधिक अवसर प्रदान करता है। हो सकता है कुछ लोगों ने इस व्यवस्था के तहत खुशियाँ हासिल की हो पर मेरा मानना है कि भारतीय व्यवस्था की खूबियों को जड़ से खतम करना संभव नहीं है।

नई विश्व व्यवस्था में जीवन जीने की अपनी शर्तें हैं और नई पीढ़ी उन शर्तों के तहत जीवन जीने में कठिनाई का अनुभव कर अपनी परंपरागत व्यवस्था को ही तोड़ने में लगी है। यह पीढ़ी दिग्भ्रमित है। मुश्किल यह भी है कि परिवार और समाज में ऐसे लोगों का घोर अभाव हो गया है जो दूरदर्शी हों और अपने निष्पक्ष विचार से पीढ़ियों के बीच चल रहे इस वैचारिक द्वंद में निर्णायक भूमिका निभा सकें। किसी सर्वमान्य व्यक्ति के अभाव में परिवार विखर रहे हैं।

परिवार को संगठित रखना आज के समय में बहुत बड़ी चुनौती है। हम अपने रोजमर्रा की जिन्दगी में यह सुनने के आदि हो गए हैं कि फलाँ परिवार में कलह हो रहा है, फलां परिवार टूट गया, फलां परिवार में मुक़दमेवाजी शुरु हो गई, आदि आदी। कई बार लगता है कि परिवार नामक जिस संस्था के वजूद पर अव तक हमारी संस्कृति फलती-फूलती आई है उसके दिन अव लद गए। पिता-पुत्र, भाई-भाई एक साथ नहीं रह पा रहे। जरा सी अनवन हुई नहीं कि अलग रहने की सोचने लगते हैं। वच्चों की शादी होते ही परिवार में विखराव की कहानी शुरु हो जाना आम बात हो गई है। कई वार एक परिवार का झगड़ा पूरे समाज में परिहास का कारण वन जाता है। यह एक वड़ी त्रासदीपूर्ण स्थिति है। इस स्थिति के मूल में है संवेदनाओं का खत्म होते जाना। जीवन जीने की आपा-धापी में लोग इस कदर खो गए हैं कि उन्हें अपने से इतर और कुछ दिखाई ही नहीं पड़ता। लोग अपने खून के सम्वन्धों के प्रति भी सहिष्णु नहीं रहे। अपना स्वार्थ ही सर्वोपरि हो गया है। परिवार हमारी पहचान बनाता है। हम जीवन में चाहे जिस ऊंचाई तक पहुँच जाएँ अगर परिवार का आधार नहीं है तो हमारी सारी कामयावी संदेह के घेरे में जा जाती है। इसीलिए परिवार नामक संस्था को बनाए और बचाए रखना हमारी अस्मिता की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है।

सवसे पहले यह समझने की जरूरत है कि आत्मा का विस्तार ही परिवार है। परिवार का मूल तत्व है प्रेम। प्रेम परिवार की आत्मा है। प्रेम से ही परिवार का विस्तार और विकास होता है। अकारण किसी का अच्छा लगना, अपना लगना ही प्रेम, (स्नेह-प्यार) है।

परिवार की अवधारणा में सभी समान हैं, वरावर हैं। सवको अपने वरावर, समान समझना। कोई छोटा-वड़ा नहीं। स्त्री-पुरुष के भेद नहीं। सभी को वरावर मान-सम्मान मिले। संवंधों को वंधन ना समझें, वरावर में प्यार होगा तभी संवंध स्थायी रह पायेगा।

परिवार की एकता का आधार है त्याग। जहाँ स्वार्थ प्रधान होता है, वहाँ त्याग नहीं हो सकता। जहाँ सेवा का भाव प्रधान है; लेना नहीं - देना है, वहीं त्याग संभव है। दूसरों की सेवा करें। परिवार के सदस्यों के लिए अपनी इच्छाओं का, अपनी कामनाओं का त्याग करें तो परिवार में एकता वनी रह सकती है।

परिवार का स्वरूप अर्द्धनारीश्वर के जैसे होना चाहिए। पुरुष और स्त्री के साथ समान व्यवहार, समान अधिकार। प्रेम और मोह के बीच एक अति सूक्ष्म रेखा है – इसे पहचानें। प्रेम के साथ विवेक होता है। मोह - धृतराष्ट्र की तरह अंधा होता है। अतः प्रेम से, शांति से। जो–जैसा है उसमें संतोष रखते हुए साथ रहें।

परिवार में एकता बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप परिवार को अच्छी तरह से समझों। जैसा अपना शरीर है, वैसे ही परिवार भी एक शरीर है। जिस प्रकार हम अपने शरीर को स्वस्थ, सुन्दर और स्वच्छ रखने का अभ्यास करते हैं, प्रयास करते हैं, उसी प्रकार परिवार के लोगों के साथ भी व्यवहार करना चाहिए। जैसे-शरीर का कोई अंग बीमार पड़ जाता है, तकलीफ देता है तो उसे काट कर फेंकते नहीं हैं – उसका इलाज करवाते हैं। ऐसे ही परिवार के सदस्यों के बारे में सोचना चाहिए। जैसे – पैर कभी यह शिकायत नहीं करते कि पूरे शरीर का भार वे उठाते हैं।

सभी को अपनी शक्ति और क्षमता के साथ-साथ अपनी कमजोरियों को भी पहचानना चाहिए, परिवार के दूसरे सदस्यों को उनके गुण दोष के साथ अपनाना चाहिए। परिवार का केन्द्र है प्रधान कर्ता। परिवार में जो ज्येष्ठ है, वरिष्ठ है – वही प्रधान कर्ता है। सारे कार्यों के निर्णय इनके द्वारा ही लिए जाते हैं। इनका निर्णय ही सर्वमान्य होता है। इनके निर्णय पर कोई तर्क-वितर्क या कुतर्क नहीं होना चाहिए क्योंकि परिवार और पारिवारिक संबंध ही जीवन है।

पारिवारिक एकता को बनाए रखने के लिए साल में कम से कम दो-चार बार – पूरे परिवार के साथ एक जगह मिलें, गोठ का आयोजन करें। सारे लोग साथ-साथ खाएं-पियें,राग-रंग, रंगोली, मेहंदी, स्वाँग, गीत-नृत्य, भजन आदि कार्यक्रम रखें। प्रेम का विस्तार होगा, शांति और आनंद का अनुभव होगा। ●

SEBI Regn
CA

You spend years in picking investments.
It is time you spent just a few minutes in selecting an investment advisor as well.

Our Services

- Equity Broking
- Commoduty Broking*
- Currency Broking
- Insurance Broking*
- Depository Services
- Investment Banking
- Wealth Advisory
- Portfolio Management
- Financial Planning
- Mutual Funds
- IPO, FPO, Bonds*
- Loan Products*

**Through group companies*

www.dalmiasec.com, info@damiasec.com
033 66120500
022 30272810

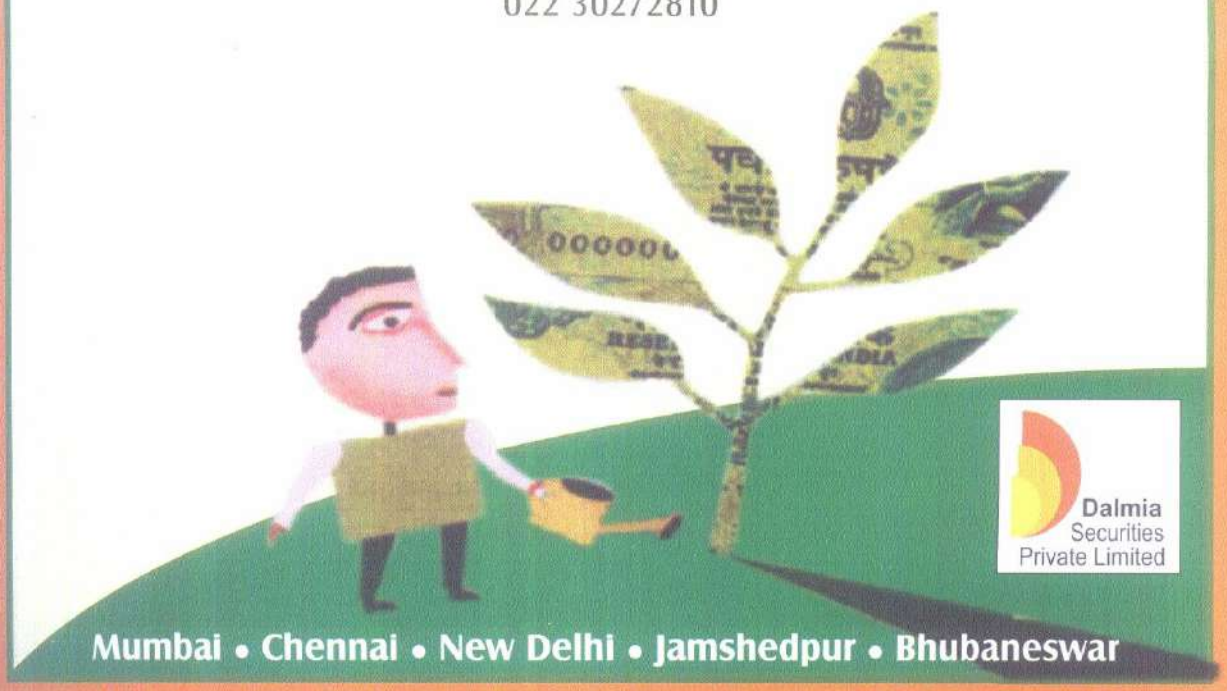

Dalmia Securities Private Limited

Mumbai • Chennai • New Delhi • Jamshedpur • Bhubaneswar

Ideal Plaza, Suite S 401, 4th Floor, 11/1 Sarat Bose Road, Kolkata - 700 020

SEBI Regn No. : NSE CM : INB 230645339, Nse : FO1NF230645339, NSE OD : INE 230645339, BSE : CM INB 010684638, BSE FO : INF 010684658
CAT 1: Merchant Banker : MB/ENM 000011476, EMS : PM/EMP000002551, NSDL : En300222; CDSL : 14500, ARN : 0284 (AMFI)

With Best Compliments from :

Nitin Maheshwari

Managing Director

GAJANAN™

GAJANAN GROUP OF COMPANIES

- Gajanan Ores Pvt. Ltd., Jamshedpur (Jharkhand)
- Gajanan Minchem Pvt. Ltd., Durgapur (West Bengal)
- Gajanan Silica Processors Pvt. Ltd., Beawar (Rajasthan)
- Shree Mahaveer Minerals Pvt. Ltd., Bara Jamda (West Singhbhim)

(An Iron Ore cursbing Unit)

Deals in :

Quartzite grains & powder for con-cast furnaces up to 1750°C

Quartz grains & powder for induction furnaces up to 1650°C

Quartz grains & powder : 4 Mesh to 1000 Mesh.

Quartzite grains & powder : 4 Mesh to 1000 Mesh

Regd. & Corporate Office :

"Diamond Prestige"

Suite # 207, 2nd Floor, 41A, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700 017

Telephone : 033 2265 6103 / 6104, Fax : 033 2265 6101

Website : www.gajanangroup.com

E-mail : info@gajanangroup.com

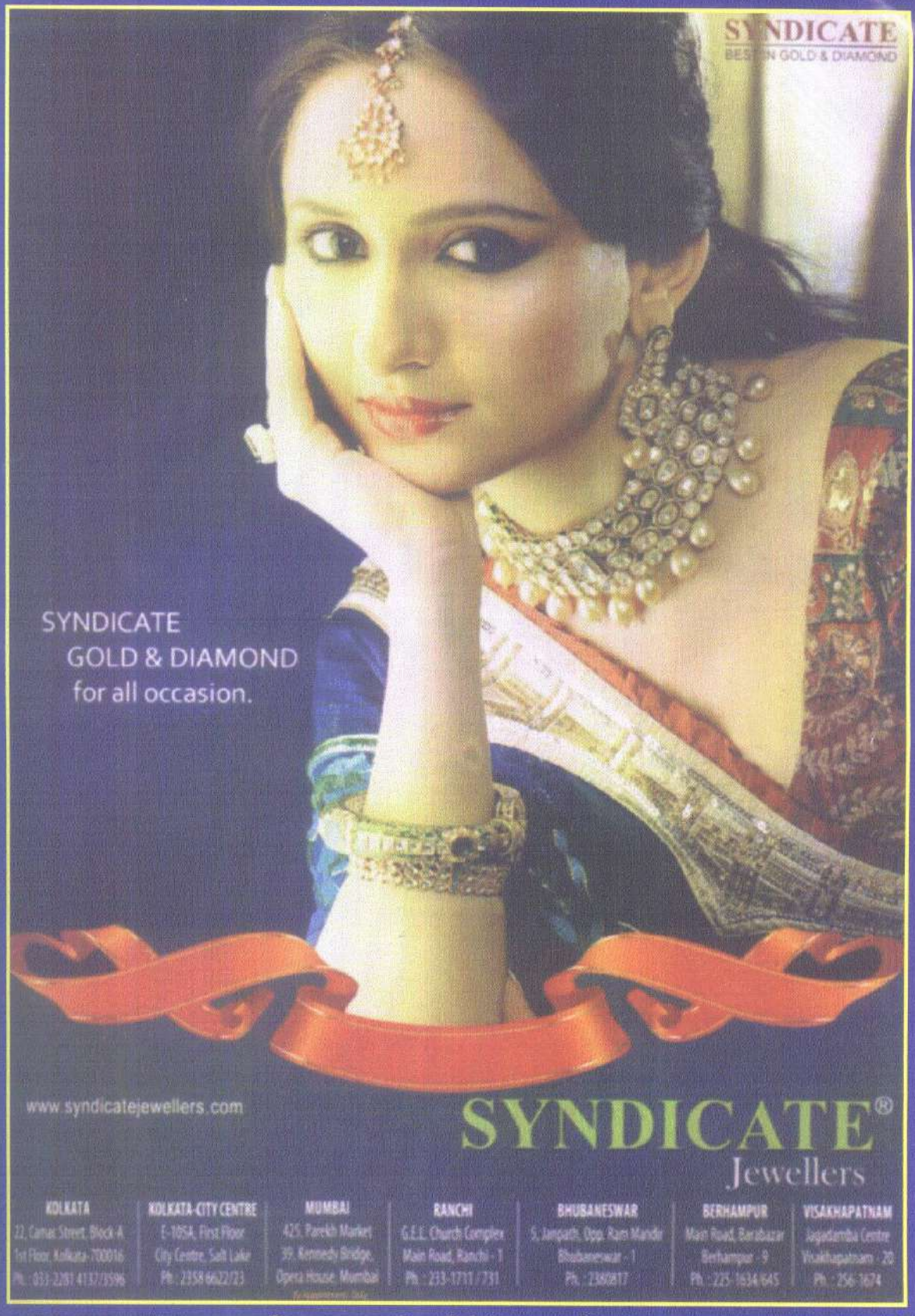

SYNDICATE
BEST IN GOLD & DIAMOND
SYNDICATE
GOLD & DIAMOND
for all occasion.
www.syndicatejewellers.com
SYNDICATE®
Jewellers
KOLKATA
22, Camac Street, Block-A
1st Floor, Kolkata-700016
Ph.: 033-2281 4137/3596
KOLKATA-CITY CENTRE
E-105A, First Floor
City Centre, Salt Lake
Ph.: 2358 6622/23
MUMBAI
425, Parekh Market
39, Kennedy Bridge,
Opera House, Mumbai
RANCHI
G.E.L. Church Complex
Main Road, Ranchi - 1
Ph.: 233-1711 / 731
BHUBANESWAR
5, Janpath, Opp. Ram Mandir
Bhubaneswar - 1
Ph.: 2380817
BERHAMPUR
Main Road, Barabazar
Berhampur - 9
Ph.: 225-1634/645
VISAKHAPATNAM
Jagadamba Centre
Visakhapatnam - 20
Ph.: 256-1674

With Best Compliments from :

MIRONDA
TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MIRONDA TRADE & COMMERCE PVT. LTD.

MERCURY INTERNATIONAL

MALVIKA COMMERCIAL PVT. LTD.

AMIT FERRO-ALLOYS & STEEL (P) LTD.

SB Towers,
3rd Floor, 37, Shakespeare Sarani
Kolkata - 700 017, India

Phone : 033 2289 5400, Fax : 033 2289 5401
E-mail : info@mirondagroup.com

सम्मेलन के नए संरक्षक सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री आदित्य नेवटिया
कार्यालय/निवास: नमन मर्केंटाइल प्रा. लि.
४, चौरंगी लेन, ब्लॉक – III
युनिट-९एफ, कोलकाता-७०० ०१६
मोबाईल : ९८३०० ३१७१७

संरक्षक सदस्य संख्या - 152
नाम : श्रीधाम बिल्डकॉन
प्रतिनिधि : श्री हरिप्रकाश ढंढारिया
कार्यालय : २२, ग्लोब्स फेब सिटी
चूना भट्टी, भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ९३०३८ ४४०४४

संरक्षक सदस्य संख्या - 153
नाम : श्रेई इक्यूपमेंट फिनेंस प्रा. लि.
प्रतिनिधि - श्री सुनील कानोड़िया
कार्यालयः ८६सी, तपसिया रोड (दक्षिण)
कोलकाता - ७०० ०४६
ईमेल - sunil@srei.com

सम्मेलन के नए विशिष्ट सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री हेमंत बगड़िया
निवास : पी-४७, शिवालिक नगर
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९८९७९ ०६५९९/
९३१२५ ०८४०३

नाम : श्री अमित टिबड़ेवाल
निवास : क्यू-२११, शिवालिक नगर,
मेल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९३५९६ २६८८१

नाम : श्री अनूप केड़िया
निवासः बी-११२, पुष्पांजलि इन्कलेव
पीतमपुरा, नई दिल्ली - ११००३४
मोबाईल : ९९११३ ००७३४

सम्मेलन के नए विशिष्ट सदस्यों का स्वागत

नाम : डॉ. संजय माहेश्वरी
कार्यालय : १६, श्याम विहार
गुरुकुल कांगडी, कनखल
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९६७५५ ०१२११

नाम : श्री सुनील कुमार सिंघी
निवास : ३१/ए, कालीकृष्ण टैगोर स्ट्रीट
कोलकाता - ७०० ००७
मोबाईल : ९८३०८ २९७५७

नाम : श्री बृजमोहन चौधरी
कार्यालय/निवास : सुपर मार्बल एंड
ग्रेनाइट, बैरियर नं. ७, भेल रोड
बहादराबाद, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ०९९२७१ ००५०१/
९४१४५ ५८५१२

नाम : श्री संजीव अग्रवाल
कार्यालय/निवास : बस स्टैण्ड,
मण्डी बामोरा, बीना
जिला - सागर (म. प्रदेश)
पिन - ४७० १११
मोबाईल : ९४२५० २९३५६

नाम : श्री राजेश अग्रवाल
निवास : ४७, खन्ना नगर,
सूईट नं. २
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९३५८७ ९५६९१

नाम : श्री राजेश कुमार अग्रवाल
निवास : ई७/७१०, एस आई जी,
अरेरा कॉलोनी
भोपाल - ४६२०१६
मोबाईल : ९४२५० १६१४५

नाम : श्री मनोज कुमार गोयल
कार्यालय/निवास : गोयल ट्रांसपोर्ट सर्विसेस
बैरियर नं. ७, हनुमान मंदिर के पीछे
सलेमपुर, बहादराबाद
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९८३७८ २७४५०

नाम : श्रीमती सीता अग्रवाल
निवास : २५१, एलआईजी,
भारतीय निकेतन,
भेल, भोपाल
फोन : ९४०६९ ८८४४०/
९९२६५ ५१२०२

नाम : श्री दीनदयाल केड़िया
कार्यालय/निवास :
४८/१, बागुइ एवेन्यू, ब्लॉक - डी
कोलकाता - ७०० ०५५
मोबाईल : ९३३०१ ४४८६९

नाम : श्री संजय मेड़तिया (गोयल)
कार्यालय : बी-२१, फारचून प्राईड
ई८, त्रिलंगा, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ९८९३६ २७७७७

सम्मेलन के नए विशिष्ट सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री आनंद अग्रवाल
निवास : १३०, वैशाली नगर
कोटरा, सुल्तानाबाद
भोपाल - ४६२ ००३ (म. प्रदेश)
मोबाईल : ९४२५० ३०११५

नाम : श्री सुनील कुमार राजगढ़िया
निवास : ६/१, नन्दन नगर,
गवर्मेंट क्वार्टर, बेलघरिया,
कोलकाता - ७०० ०८३
मोबाईल : ९८३०५ १५७२७

नाम : श्री रमेश चंद्र अग्रवाल
निवास : २, न्यू मार्केट,
टी.टी. नगर
भोपाल - ४६२ ००३ (म. प्रदेश)
मोबाईल : ९४२५३ ७५१९०

नाम : श्री पवन छाबछरिया
निवास : ४एफ/एच, नार्थ प्लाजा
ब्लॉक 'वी', चावल पट्टी, बगुईहाटी
कोलकाता - ७०० ०५९
मोबाईल : ९६७४५ ३५७८९

नाम : श्री पवन कुमार मित्तल
कार्यालय : श्री राम प्रॉपरी
बूढ़ी माता, रनखल
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ७५००२ १८१७१

नाम : श्री विनोद कुमार अग्रवाल
निवास : ४०, अभिषेक नगर, कंखल
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९३१९१ ८०८००

नाम : श्री रवीन्द्र कुमार अग्रवाल
निवास : १५, इन्द्राणी,
चिनार फोटच्यून सिटी
होशंगाबाद रोड, भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५३५८९०९

नाम : श्री अभिषेक बगड़िया
निवास : पी-४७, शिवालिक नगर
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
मोबाईल : ९८९७९ ०६५९९/
९३१९१ ०६०७७

प्रसंगवश

समाज में तेजी से एक बदलाव आया है। अनेक परिवर्तन हुए हैं – कुछ शुभ, कुछ अशुभ। मारवाड़ी समाज का, विशेषकर नगरों एवं शहरों में एक परिवर्तित नया रूप उभरा है।

हमारे सामाजिक-नैतिक मूल्यों में एक बड़ी गिरावट आयी है। यह हमारे बुजुर्गों की दूरदर्शिता थी कि उन्होंने इस जरूरत को समझा कि लगातार एक सामाजिक सुधार की आवश्यकता है एवं मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की।

– सीताराम शर्मा

With Best Compliments From :

BANK SURPASSES ₹1700 CRORE BUSINESS

BY SURMOUNTING ANOTHER PEAK OF PERFORMANCE.

महेश बैंक

ESTD. 1978

1700 crore and lots more...

Mahesh Bank has now crossed ₹1700 crore business - scaling another peak of performance. What's more, it has also introduced internet banking, direct RTGS, mutual funds, point of sale services and added many more innovative products.

Contemplating to expand branch network as RBI has acceded to the request of the bank to extend its area of operation in the entire States of Maharashtra, Rajasthan & Gujarat.

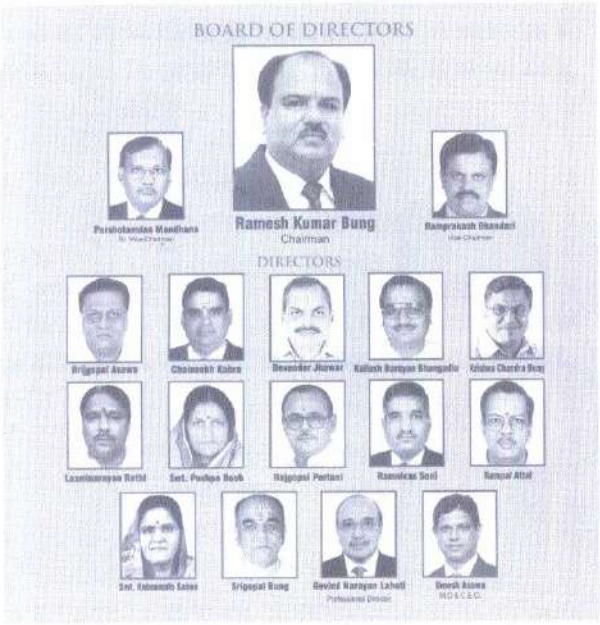

SALIENT FEATURES

- Network of 36 Branches with anywhere banking facility.
- Extending expeditious and courteous service to more than 3 Lakh Customers.
- Direct RTGS facility from own platform.
- Technologically innovative "Net Banking" facility.
- Bank's Head Office has Accrediation of ISO 9001:2008 Certification.
- Remittances from abroad through Western Union Money Transfer.
- Tie up with Reliance for Mutal Funds Business.
- Life Insurance Solutions.
- Point of Sale services (POS) for Traders.
- e-Tax payment and e-Seva facility at select branches.
- ATM facility at select branches.
- Educational loans upto ₹20.00 Lakhs*.
- Acceptance of tax saving deposits under section 80C of Income Tax Act.
- Recipient of award from Banking Frontiers, Mumbai for "Operational Efficiency".

* Conditions apply.

महेश बैंक

ESTD. 1978

MAHESH BANK

THE A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD. (MULTI - STATE SCHEDULED BANK)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S.Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (A.P.) INDIA
Phones: 040 - 24615296/5299, 23437100/101/102/103 & 105 Fax: 040-24616427

36 BRANCH Network | NET Banking | RTGS Funds Transfer | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credits for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com

Website: www.apmaheshbank.com

सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री राम रतन मोदी
कार्यालय/निवास :
३७५, प्रिंस अनवर शाह रोड
साउथ सिटी, टॉवर-२, फ्लैट-२१डी
कोलकाता - ७०० ०६८
मोवाईल : ९८३०० ८०५०६

नाम : श्री संजीव कुमार पोद्दार
निवास : साउथ सिटी गार्डेन
६१, वी.एल. शाह रोड
टॉवर-३, फ्लैट - '१डी'
कोलकाता - ७०० ०५३
मोवाईल : ९८३०३ १०८१०

नाम : श्री कैलाश चंद्र जोशी
निवास : जयश्री अपार्टमेंट,
फ्लैट नं. ४०२
१७९, बॉगुइ एवेन्यू, ब्लॉक - 'ए'
कोलकाता - ७०० ०५५
मोवाईल : ९८३६२ ६९०७७

नाम : श्री सावरमल भीमसरिया
निवास : २बी, ताराचंद दत्ता स्ट्रीट
कोलकाता - ७०००७३
मोवाईल : ९८३०० ६९९९९

नाम : श्रीमती उमा सराफ
निवास : सीएल-१९८, साल्ट लेक
सेक्टर - II
कोलकाता - ७०० ०९१
मोवाईल : ९८३१९ ५८९७२

नाम : सुश्री प्रीति बंका
निवास : आनंद अपार्टमेंट
६६, राजारहाट रोड, जांगड़ा चौमाथा
कोलकाता - ७०० ०५९
मोवाईल : ९५६३२ ९०३७९

नाम : सुश्री अंकिता टिबड़ेवाल
निवास : २६७, रवीन्द्र सरणी
गणेश टॉकीज के पास
कोलकाता - ७०००१७
मोवाईल : ९३३०१ ७८१३०

नाम : श्री शिशिर केजड़ीवाल
निवास : नवरंग, फ्लैट नं. ४३
१०/१, अलीपुर पार्क प्लेस
कोलकाता - ७०० ०२७
फोन : ९८३१० १०५७५

नाम : श्री महेश कुमार सहारिया एवं
श्रीमती आभादेवी सहारिया
निवास : सहारिया हाउस
२०, न्यू रोड, अलीपुर
कोलकाता - ७०० ०२७
फोन : (०३३) २४७९ ८८५६/५४८२

नाम : श्री बालकृष्ण दास मूँधड़ा
निवास : मूंधड़ा इस्टेट
१२६, सदर्न एवेन्यू
कोलकाता - ७०० ०२६
मोवाईल : ९८३०० ६३६१०

सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री मनोज कुमार बजाज
निवास : ५५ए, डॉ. शरत् बनर्जी रोड
कोलकाता - ७०० ०२९
मोबाईल : ९८३०० ३४९३६

नाम : श्री बाबु तुलस्यान
निवास : ई-४/४९, एरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०७८९८९१८२०४

नाम : श्री नरेन्द्र कुमार सोनी
निवास : ए-३/२०१,विष्णु हाई-टेक-सिटी
(रेलवे क्रासिंग के विपरीत),
त्रिलंगा, म. प्रदेश - ४६२०३९
मोबाईल : ०९४२५३००३०१

नाम : श्री अन्वेष मंगलम
निवास : ए-१९, विधाननगर
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५००८४६२

नाम : श्री राज कुमार खेतान
निवास : ९४, गायत्री परिसर
श्रीराम कॉलोनी, होशंगाबाद
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९३००१२८५६०

नाम : श्री राजेश जैन
निवास : ईएन-१/८, चार इमली,
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२७०४०७४६

नाम : श्री सुभाष चंद्र गुप्ता
निवास : एच-१८, वधीरा अपार्टमेंट
ई-५, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५३०१८१०

नाम : श्री रमेश गुप्ता
निवास : पारस सिटी, फ्लैट नं. ००१
ब्लॉक-ए५, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९९८११४९२४५

नाम : श्री आर. जी. गुप्ता
निवास : फ्लैट नं. ५५, द्वारकापुरी
कोटरा रोड, भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९३०३१३२८४०/
८८२७५१७६६०

नाम : डॉ. रमेश गोयल
निवास : १२सी, राधिका कुंज
केयरवेल हॉस्पिटल रोड
महादेव मंदिर रोड, पीर गेट
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८९३६२४१०३

सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री चन्द्र मोहन गर्ग
निवास : डी११/२१, चार इमली
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९३०१६९३३२५

नाम : श्री दीनेश चन्द्र अग्रवाल
निवास : १२८, मालवीय नगर
मिडटाउन न्यू मार्केट
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५३००६०२

नाम : श्री विनोद कुमार अग्रवाल
निवास : १९/२, गारमेन्ट शालीमार इन्कलेव
ई-३, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२६३३४६७३

नाम : श्री संदीप अग्रवाल
निवास : ए-५/००३, पारस सिटी
ई-३, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९३०३१३०००७

नाम : श्री राजेश अग्रवाल
निवास : एल-२४३, भारती निकेतन,
गोविंदपुरा
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५०००४४२०

नाम : श्री जय भगवान अग्रवाल
निवास : १४, श्रीराम कॉलोनी
होशंगाबाद रोड
वृंदावन गार्डन के विपरीत
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५००६५३४

नाम : श्री अजय अग्रवाल
निवास : ४५, सी.आई एन्कलेव,
चूना भट्टी
भोपाल (म० प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५००९७७८

नाम : श्री नरेश अग्रवाल
कार्यालय : सिद्धार्थ मार्केटिंग कम्पनी
रेखी मैंशन, डायगोनल रोड, विष्टुपुर
जमशेदपुर - ८३१००१
मोबाईल : ०९३३४८२५९८१

नाम : श्री राजा अग्रवाल
निवास : ९८, राजकुमार मुखर्जी रोड
आलम बजार
कोलकाता - ७०० ०३५
फोन : ९४३३६ ८००९७

नाम : श्री महेश अग्रवाल
कार्यालय : श्री गणपति ट्रेडर्स
मधुकुंज, क्यू रोड, विष्टुपुर
जमशेदपुर - ८३१००१
मोबाईल : ०९४३११७६१९/
९२३४८७४५२६

सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री अभय सुल्तानिया
निवास : २४/१, गरछा फर्स्ट लेन
बालीगंज, कोलकाता - ७०० ०१९
मोबाईल : ९९०३८११४६६

नाम : श्री नरेन्द्र कुमार गर्ग
निवास : ५९, दुर्गेश विहार,
जे के रोड
भोपाल - ४६२०२१ (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५००७९४८

नाम : श्री रामेश्वर अग्रवाल
निवास : सी-२५, शाहपुरा
माहेश्वरी टेंट हाउस के पास
भोपाल - ४६२ ०१६ (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५००९७२१

नाम : श्रीमती प्रेमा सेठी
निवास: एक११६/१८, शिवाजी नगर
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५९८५३४४

नाम : श्री हरीश चन्द्र अग्रवाल
निवास : ६८-६९ए, जानकी नगर
कोलार रोड, चूना भट्टी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९६८५४११३७३

नाम : श्री प्रह्लाद दास अग्रवाल
निवास : ५५५, हवा महल रोड,
मालीपुरा
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२६३१४२९९

नाम : श्री राजकुमार अग्रवाल
निवास : १, तेली बाखल,
तेजाबी चौक
मल्हारगंज, इंदौर (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५३१४३९५

नाम : श्री गोपाल अग्रवाल
कार्यालय/निवास : उपल मेटल स्टोर्स
खुर्जेवाला मौहल्ला, दौलतगंज
लश्कर, ग्वालियर, म. प्रदेश
मोबाईल : ०९३०११०११८४

नाम : श्री अशोक कुमार अग्रवाल
निवास : अशोक कुंज
शानगंज हाउस के ऊपर
पालम बाजार, लश्कर
ग्वालियर (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२७२४१८९०

नाम : श्री आलोक चंद्र बंसल
निवास : गणेश कॉलोनी,
नया बाजार, लश्कर,
ग्वालियर (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९४२५११२९७४

सम्मेलन के नए आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : श्री पवन कुमार खेतान
निवास : ६०१ जुपिटर, रॉयल प्रीमियम
स्कीम नं.५४, सत्य साई स्कूल के पास
ए बी रोड, इन्दौर (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२६०२१८४०

नाम : श्री लक्ष्मीकांत अग्रवाल
कार्यालय/निवास : आशिया,
फ्लैट नं. ५
ई/२-९२, अरेरा कॉलोनी
भोपाल (म. प्रदेश)
मोबाईल : ०९८२७२६४१४७

नाम : श्री अनिल कुमार चौधरी
निवास : श्रीराम गार्डेन
१५, वेलभेडर रोड, अलीपुर
कोलकाता - २७
मोबाईल : ९८२४१ ०२५२५

नाम : श्री गणेश चौधरी
निवास : श्रीराम गार्डेन
१५, वेलभेडर रोड, अलीपुर
कोलकाता - २७
मोबाईल : ९८३०१ ०६५४३

नाम : श्री अरविन्द कुमार केजड़ीवाल
निवास : नवरंग बिल्डिंग
फ्लैट नं. २१
१०/१, अलीपुर पार्क प्लेस
कोलकाता - ७०० ०२७
मोबाईल : ९९०३० ४८०७४

नाम : श्री अशोक कुमार अग्रवाल
एवं श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल
निवास : ५एच, शांति हरि अवासन
१, आइ सी रोड, विष्टूपुर
जमशेदपुर - ८३१ ००१
मोबाईल : ९४३११ १७२०७

नाम : श्री विमल कुमार गुप्ता
एवं श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता
निवास : विजया हैरिटेज
धौलागिरी अपार्टमेंट, फ्लैट नं. २७१३
कदमा, जमशेदपुर - ८३१ ००५
मोबाईल : ९३०४८ १३२१४

नाम : श्री रूपक पंसारी
एवं श्रीमती नेहा पंसारी
निवास : सी एच एरिया
१०वी, पार्क डियू अपार्टमेंट,
रोड नं. ३, जमशेदपुर-८३१ ००१
मोबाईल : ९४३११ १०२३४

नाम : श्री गोविन्द राम अग्रवाल
निवास : २२, ली रोड
ब्लॉक - बी, प्रथम माला
कोलकाता - ७०० ०२०
मोबाईल : ९८३०० ३४१७१

नाम : श्री कैलाश कुमार अग्रवाल
निवास : पी-१९४, सी.आई.टी रोड
कांकुड़गाछी
कोलकाता - ७०० ०५४
मोबाईल : ९८३१० ४१५८३

WONDER GROUP
wonder images
one city. one machine. one colour.
Wonder Images
PVT. LTD.
Wonder Images is an ISO 9001 : 2008 certified company with focus on printing for indoor and outdoor advertising across flex, P/E and PVC mediums with printing capacity of 100,000 sq.ft per day.
We have Five state of the art printing machines.(HP UV 2300, HP XLJET 1500, VUTEK 3360, HP LATEX L 65500 & HP Designjet 5500 PS)
Indoor & Outdoor SOLUTIONS
Front-lit-flex
Back-lit-flex
Woven-P/E
Self Adhesive vinyl
Building wrap
One way vision
Vehicle / fleet graphics
Floor and wall graphics
Reflective Signage
Frosted vinyl
Canvas
Translite
Photo realistic poster paper
Mesh, Tyvek, Yupo
only 1 in eastern India to expertise in printing on woven P/E
Hundreds of colours & media for Indoors
5 State-of-the-art printing machine
Eastern India's Largest Outdoor Printers.
Contact Us:
Amit: 09830425990
Email: amit@wondergroup.in
Works:
Tangra Industrial Estate- II
(Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road. Kolkata – 700 015
Tel: 033- 2329 8891-92
Fax: 033- 2329 8893

मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक में एकल सदस्यता लागू करने पर चर्चा

बैठक में संयुक्त समिति के पदाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति और स्थायी समिति की संयुक्त बैठक ८ नवम्बर २०११ को हिन्दुस्तान क्लब में सम्पन्न हुई। सभा की अध्यक्षता की सम्मेलन सभापति श्री हरि प्रसाद कानोड़िया ने। सर्वप्रथम श्री कानोड़िया ने उपस्थित सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी एवं कहा कि दीपों के इस त्यौहार में समाज में पनप चुकी बुराईयों को जला कर राख करने का संकल्प हमलोग लें। एकल सदस्यता को अनिवार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में गम्भीर प्रयास चल रहे हैं। एकल सदस्यता शुरु किये जाने के लिए सभी प्रांतीय अध्यक्ष और मंत्रियों को पत्र भेजे गये हैं। सम्मेलन भवन निर्माण के बारे में उन्होंने कहा कि कानूनी अड़चन की वजह से निर्माण कार्य में विलम्ब हो रहा है। अब यह काम लगभग पूरा हो गया है। भवन निर्माण की जो रूपरेखा पूर्व में बनी थी उसमें नये नियमों के अन्तर्गत कुछ बदलाव किये गये हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस समय हमारा देश महंगाई और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से त्रस्त है। आम आदमी महंगाई की चपेट में है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया ने आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने कहा कि दिल्ली अधिवेशन में एकल सदस्यता लागू करने के प्रस्ताव पर चर्चा चली थी, इसे लागू किये जाने के लिए निकट भविष्य में बैठक बुलायी जायेगी।

मौके पर उपस्थित पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय गुजरवासिया ने बताया कि दार्जीलिंग और कुचबिहार में जिला शाखा बहुत जल्द स्थापित होने जा रही है। श्री ओम लडिया ने कहा कि एकल सदस्यता शीघ्र शुरू की जाए तथा सम्मेलन भवन में ऐसी व्यवस्था हो जिससे कम खर्च में समाज को उपलब्ध होसके।

संस्था के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान ने कहा कि अपने समाज का आकार बड़ा है अतः समाज के जो व्यक्ति जिस क्षेत्र के लिए उपयोगी है उनका उस क्षेत्र में हमलोग अवश्य सहयोग लें। श्री नन्दकिशोर अग्रवाल ने कहा कि स्थापना दिवस के मौके पर समाज की विभिन्न संस्थाओं को आमंत्रित करें। श्री प्रमोद गोयनका ने उत्तर २४ परगना जिला की निष्क्रिय शाखा को सक्रिय करने की पहल पर बल दिया। श्री रामगोपाल बागला ने कहा कि एकल सहस्यता शुल्क तय किये जाएं, केन्द्रीय सम्मेलन द्वारा देनदारी के रूप में जो भी शुल्क तय होंगे पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन उसे अवश्य देगी। श्री गोविन्द शर्मा ने कहा कि समाज सुधार तथा सामाजिक संचेतना के क्षेत्र में समाज के जिन मनीषियों ने योगदान किया है उन्हें स्थापना दिवस पर पुरस्कृत किये जाने पर विचार करें। श्री श्यामलाल डोकानिया ने जानना चाहा कि भवन निर्माण कब तक होने की उम्मीद है। श्री रवीन्द्र लडिया ने डायरेक्टरी के शीघ्र प्रकाशन की उम्मीद के साथ कहा कि आवश्यक प्रकाशन सामग्री प्रेस में भेज दी गयी है, स्थापना दिवस के मौके पर डायरेक्टरी सदस्यों को लोकार्पित करने की योजना है। श्री ओम प्रकाश खण्डेलवाल ने कहा कि प्रांतीय शाखाओं के सदस्य अपनी क्षेत्रीय पहचान चाहते हैं। केन्द्रीय सम्मेलन

के पदाधिकारीगण प्रांतों का दौरा करें तथा सभी प्रांतीय अध्यक्षों एवं मंत्रियों से इसके बारे में सलाह महाविरा करें। समाज के जिन व्यक्तियों ने समाज हित में कार्य किये हैं, ऐसे लोगों को स्थापना दिवस पर सम्मानित करने का विचार करें। श्री विश्वनाथ भुवालका ने कहा कि सदस्यता उप

समिति की बैठक बहुत जल्द बुलायी जायेगी तथा आवश्यक विषयों पर चर्चा होगी। श्री श्याम सुन्दर बेरीवाल ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि बैठक में जो भी निर्णय हुए हैं उसे कार्य रूप में परिणत करने की लिये सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। श्री शम्भु चौधरी ने बताया कि साल्टलेक स्थित समाज के एक व्यवसायी को पिछले दिनों धमकी दी

गयी है, प्रांत के अन्य भागों से भी इस तरह के समाचार मिलते रहते हैं। समाज के व्यवसायी भाईयों की जान माल की समूचित सुरक्षा के लिये राज्य के मुख्यमंत्री को पत्रादि भेजकर इस ओर ध्यान आकर्षित कराया जाए।

अंत में सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष श्री बालकिशन गोयनका के दुःखद निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि दी गई।

संयुक्त महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सदस्यों को बैठक में भाग लेने के लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष श्री कानोड़िया के सौजन्य से दीपावली प्रीति भोज के साथ हुआ। ●

With Best Compliments From :

Open your on-line tradin account at most competitive rates

RAJASTHALI COMMODITIES PVT. LTD.

(One Stop Financial Shop)

Share Broking : Equity & F & O
Commodities : Mutual Fund - IPO - On-line Trading

16, Kishan Lal Burman Road, Bandhaghat, Salkia, Howrah-711 106
Phone : 2655-0436 / 3761 / 5670

www.stockideas.in

For intra day and delivery calls on share markets and commodities
Ask for a free trial call : 9831301335

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

संगठन उपसमिति की बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन उपसमिति की बैठक २ दिसम्बर २०११ को हिन्दुस्तान क्लब में सम्पन्न हुई। बैठक की उध्यक्षता संगठन उपसमिति के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने की।

बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए उपसमिति के अध्यक्ष श्री नोपानी ने कहा कि किसी भी प्रांत में जहां अपना समाज है वहां पहले हमलोग सदस्य बनाए। एकल सदस्यता को अनिवार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि एकल सदस्यता वक्त का तकाजा है, यह हर हाल में शुरु की जानी चाहिए। नये सदस्य बनाने हेतु प्रांतीय अध्यक्ष पूरे राज्य का दौरा करें तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रांतों का दौरा करे ताकि प्रांतों में सम्मेलन की गतिविधियां बढ़े। प्रांतीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय कार्यालय का आपसी समन्वय बढ़ाने पर जोर देते हुए उन्होंने प्रांतीय पदाधिकारियों से संगठन उप-समिति को सहयोग की अपील की।

सम्मेलन के अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया ने कहा कि केन्द्रीय पदाधिकारी प्रांत में चार-पांच जगह दौरा करने की योजना बनाएं तथा इसके लिए कम से कम पांच दिन का समय लेकर ही दौरा करने हेतु घर से प्रस्थान करें। १५ जनवरी से लेकर १५ मार्च तक के बीच केन्द्रीय पदाधिकारियों के प्रांतीय दौरो का कार्यक्रम तय हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने सुझाव दिया कि केन्द्रीय पदाधिकारी प्रांतीय अध्यक्ष के बनाये कार्यक्रम के हिसाब से दौरा शुरू करें।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि आवश्यक विषय है संगठन की मजबूती और संगठन की मजबूती के लिये एकल सदस्यता जरूरी है। एकल सदस्यता के लिए बिहार, पश्चिम बंग, उड़ीसा और पूर्वोत्तर प्रांतों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की जाए। केन्द्रीय पदाधिकारियों के प्रांतीय दौरे के मद्देनजर उन्होंने कहा कि दौरे में प्रांतीय अध्यक्ष व महामंत्री का साथ रहना भी आवश्यक है। प्रांत में जिस जगह का दौरा किया जाए वहां प्रांतीय अध्यक्ष कोई न कोई कार्यक्रम केन्द्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में अवश्य आयोजित करवाएं। सूचना क्रांति के युग में केन्द्रीय अध्यक्ष के लिए संवाददाता सम्मेलन भी आयोजित हो जिससे उस क्षेत्र में सम्मेलन के बारे में जागरूकता बढ़े। दौरे के समय प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक हो, उसमें एकल सदस्यता के बारे में अवश्य चर्चा की जाए। श्री शर्मा ने उपसमिति के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी से आग्रह किया कि संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु जनवरी २०१२ से जून २०१२ तक ६ माह व्यापी कार्यक्रम की एक रूपरेखा बनाकर केन्द्रीय सम्मेलन को दें ताकि उसे समय पूर्व प्रांतों को भेजा जा सकें। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया एवं संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका भी उपस्थित थे।

With Best Compliments From :

BALAJEE ENTERPRISES

(Mfg. of High Class Cotton Hosiery Goods)

15/2, Galif Street
Kolkata - 700 003
Phone : 2530 2055, (M) 94330 07710

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

भवन निर्माण उपसमिति की बैठक में सम्मेलन भवन के निर्माण पर चर्चा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के भवन निर्माण उपसमिति की बैठक १ दिसम्बर २०११ को हिन्दुस्तान क्लब में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपसमिति के अध्यक्ष श्री द्वारिका प्रसाद डावरीवाल ने कहा कि सम्मेलन के अमहर्स्ट स्ट्रीट स्थित भवन के निर्माण हेतु म्यूटेशन का काम पूरा हो चुका है। भवन निर्माण का नक्शा आर्किटेक्ट से तैयार करवा कर कॉरपोरेशन से पास करवाने हेतु भेजा जाएगा ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा सके। निर्माण कार्य का ठेका, भवन का बजट, भवन के आवश्यक कागजात, निर्माण कार्य निगरानी आदि के बारे में भी चर्चा हुई।

सम्मेलन भवन का प्रारूप

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया ने भरोसा दिलाया कि उपसमिति के पूरे सदस्य निर्माण कार्य में श्री डावरीवाल के साथ हैं। सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि पूर्व में बने नक्शे में थोड़ा बदलाव होगा।

श्री ईश्वरी प्रसाद टांटिया ने कहा कि नया नक्शा बनने के बाद ही आगे की बात हो सकेगी। आर्किटेक्ट से नक्शा तैयार करवा कर कॉरपोरेशन में पास करवाने के लिए भेजा जायेगा। नये नक्शे के लिये श्री डावरीवाल ने श्री शर्मा से आर्किटेक्ट श्री मनीरामका के साथ बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामअवदार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ, श्री नन्दलाल सिंघानिया, श्री मदन धानावत (काठमाण्डु) एवं श्री श्यामलाल डोकानियां ने भी मौजूदगी दर्ज करायी।

With Best Compliments From :

Shankar Lal Agarwal

RITESH TRADE FINANCE LTD.

Kanjilal Avenue, Lenin Sarani
Durgapur - 713210, W.B.
Mobile : 98321 50448